जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

जनवरी 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990

हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391

Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com

निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

श्रीकान्तो मातुलो यस्य जननी सर्वमङ्गला।
जनकश्शङ्करो देवस्तं वन्दे कुञ्जराननम्॥

श्री वक्रतुण्ड महाकाय, सूर्यकोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव, सर्वकार्येषु सर्वदा !!

ॐ निवेदन 卐

यद्यपि 'जम्मू यात्री भवन पंचांग/कैलेण्डर 2026' जनवरी 1 गुरुवार विक्रमी संवत् 2082 पौष प्रविष्टा 18 एवं पौष शुक्ल त्रयोदशी तिथि गुरुवार से आरंभ होकर विक्रमी संवत् 2083 एवम् 31 दिसम्बर 2026 तथा पौष प्रविष्टा 16 एवं पौष कृष्ण अष्टमी गुरुवार तक वर्णित है; तथापि 19 मार्च (गुरुवार), चैत्र प्रविष्टा 06 वासन्तिक प्रथम नवरात्र दिवस के शुभ दिन को 'रौद्र' नामक नवसंवत्सर एवं नव विक्रमी संवत् 2083' के शुभ एवं कल्याणकारी प्रारम्भ की शुभाशीषों सहित बधाई सपरिवार स्वीकार कर हमें कृत-कृत्य करें। जगदुद्धारिणी श्री गंगा मैय्या जी की असीम कृपा से 'जम्मू यात्री भवन' से जुड़े एवं संबद्ध लोगों के पारिवारिक, शारीरिक, आर्थिक, व्यापारिक सुख-समृद्धि के लिए समय-समय पर धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, हवन, प्रत्येक ग्रह सहित नौ ग्रहों का अभिषेक, पूजन आदि कराये जाते हैं। एकादशी, पूर्णिमा, अमावस आदि व्रतों के उद्यापन (मोख) भी करवाये जाते हैं। 'जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट' गत वर्षों से हरिद्वार में गंगा जी के तट पर पितृपक्ष में आरंभ से लेकर अमावस तक पार्वण श्राद्ध पिण्ड दानादि की व्यवस्था करता आ रहा है। साथ ही भारत की सीमाओं की सुरक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा करने वाले वीरगति को प्राप्त हुए देश के वीर सैनिकों तथा पुलिस कर्मियों की स्मृति में भी गत वर्षों से 1008 पिण्ड दान एवं पितृ तर्पण किया जाता है। प्रति वर्ष हरिद्वार स्थित भवन के मन्दिर में, चैत्र के वासन्तिक नवरात्र तथा आश्विन के शारदीय नवरात्रों में चण्डीपाठ तथा आषाढ़ एवं माघ के गुप्त नवरात्र के दिनों में भी चण्डी पाठ का आयोजन करता आ रहा है। गत वर्ष उपस्थित सभी यजमानों ने इस पुण्य कार्य में भाग लिया। इसके अलावा प्रतिवर्ष जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है तथा भगवान् श्री कृष्ण जी के श्री विग्रहों को 56 प्रकार के भोग लगाकर उपस्थित जनता में प्रसाद बांटा जाता है।

जिस प्रकार 'जम्मू यात्री भवन' हरिद्वार के प्रांगण में भगवत् कृपा से तिमंजिले मन्दिर के निमार्ण कार्य में 5100/- रूपए प्रति वर्ग फुट के हिसाब से योगदान देकर मन्दिर बनवाने में अपना भरपूर सहयोग देकर हमें कृत-कृत्य किया है, उसी प्रकार बी.सी.रोड पर बस स्टैंड के सामने, जम्मू शहर में 'संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् जी का मन्दिर एवं धर्मशाला' निर्माण-कार्य ट्रस्ट द्वारा प्रारम्भ किया जा चुका है। अब ट्रस्ट आप सब श्रद्धालु दानी सज्जनों से करबद्ध प्रार्थना करता है कि इस कार्य को पूर्ण करने के लिए आप अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम एक-एक वर्ग फुट भूमिदान एवं निर्माण में सहयोग देकर पुण्य के भागीदार बनें। ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ग फुट के लिए मात्र 2100/- रूपए शुल्क निश्चित किया गया है। ट्रस्ट द्वारा दानी सज्जन को मन्दिर में भूमि दान संकल्प करवाने के साथ ही धन्यवाद पत्र भी दिया जाता है। ट्रस्ट को किसी भी प्रकार के दिये गए दान 80-जी के अन्तर्गत आयकर विभाग द्वारा करमुक्त हैं।

पंचांग (कैलेण्डर) प्रकाशन में जम्मू कश्मीर श्रीकाशी विद्वत् परिषद्, जम्मू प्रदेश के अध्यक्ष एवं जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट जम्मू/हरिद्वार के निर्देशक तथा श्री माता वैष्णो देवी श्राईन बोर्ड की अध्यक्षता में वासन्तिक एवं शारदीय नवरात्रों में यज्ञ के आचार्य पद्मश्री प्रो.विश्वमूर्ति शास्त्री, पूर्वनिदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कोट भलवाल, जम्मू के अथक प्रयास से प्रकाशित तथा आर्थिक सहयोग देने वाले श्रीमन्तों का हार्दिक आभार प्रकट करते हुए वर्ष 2026 का 'जम्मू यात्री भवन पंचांग' अन्य ट्रस्टियों सहित आपके करकमलों में सौंपकर अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ।

निवेदक:- पवन कुमार शास्त्री

ट्रस्टीगण सहित प्रधान ट्रस्टी एवं प्रमुख संपादक श्री गंगा संग्रह पत्रिका, सम्पर्क : +91 9906085058

जनवरी 2026

सूर्योत्तरायण
शिशिर ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

ई. सन् 2026 प्रारम्भ गुरुवार 1 जनवरी से

- दि. 01 पौष शुक्ल त्रयोदशी, प्रदोष व्रत
- दि. 02 श्री सत्यनारायण व्रत
- दि. 03 पौष पूर्णिमा, माघ स्नान प्रारम्भ
- दि. 04 माघ कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
- दि. 06 भुग्गा-श्री गणेश संकट चतुर्थी व्रत, चँद्रोदय: रात्रि 9 बजे, माघ कृष्ण चतुर्थी का क्षय...
- दि. 09 माघ कृष्ण सप्तमी तिथि के अनुसार स्वामी विवेकानन्द जयंती
- दि. 13 लोहड़ी पर्व (उत्तर भारत में अधिकतर)
- दि. 14 मकर संक्रान्ति: सूर्य धनु से मकर राशि में आने पर 30 मुहूर्ति संक्रान्ति पु. का. प्रात: 08/42 मि. से तथा षट्तिला एकादशी व्रत पर्व भी इसी दिन मनाया जाएगा।
- दि. 16 प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत
- दि. 18 माघ (मौनी) अमावस पर्व प्रयागराज हरिद्वारादि में स्नान माहात्म्य
- दि. 19 माघ शुक्ल पक्ष शुरु, गुप्त नवरात्र शुरु
- दि. 20 श्री बाबा लाल दयाल जयंती, ध्यानपुर
- दि. 21 गौरी तृतीया
- दि. 23 वसन्त पंचमी पर्व, श्री पंचमी सरस्वती-लक्ष्मी पूजा
- दि. 26 77वाँ भारत गणतन्त्र दिवस, भीष्माष्टमी
- दि. 27 माघ शुक्ल नवमी, गुप्त नवरात्र समाप्त
- दि. 29 जया एकादशी व्रत, भीष्म द्वादशी
- दि. 30 प्रदोष व्रत, तिल द्वादशी पर्व
- दि. 31 शुक्रोदय पश्चिम में प्रात: 07:05 मिंट पर शुक्र का उदय होगा। माघ शुक्ल चतुर्दशी तिथि का क्षय...

भद्रा काल

- दि. 02 18/54 से 29/14 तक
- दि. 05 21/00 बजे से
- दि. 06 08/02 मिंट तक
- दि. 08 31/06 मिंट से
- दि. 09 19/45 मिंट तक
- दि. 12 26/01 मिंट से
- दि. 13 15/18 मिंट तक
- दि. 16 22/22 मिंट से
- दि. 17 11/13 मिंट तक
- दि. 22 14/39 से 26/29 मिंट तक
- दि. 25 23/11 मिंट से
- दि. 26 10/15 मिंट तक
- दि. 28 27/17 मिंट से
- दि. 29 13/56 मिंट तक
- दि. 31 29/53 मिंट से

पंचक

दिनांक 20 मंगलवार 25/36 से प्रारम्भ दिनांक 25 रविवार को 13:36 पर समाप्त

दिनांक 31 शुक्रोदय प्रात: 07/05 मिंट पर पश्चिम दिशा में होगा

विक्रमी संवत् 2082 पौष प्रविष्टा 18 एवं पौष शुक्ल त्रयोदशी गुरुवार से माघ प्रविष्टा 18 एवं माघ शुक्ल त्रयोदशी शनिवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
09 जनवरी स्वामी विवेकानन्द जयंती	13 जनवरी लोहड़ी पर्व	20 जनवरी बाबा श्री लाल दयाल जयंती	26 जनवरी भारत गणतन्त्र दिवस (74वां)	**1** पौष प्र.18 पौष शुक्ल त्रयोदशी प्रदोष व्रत	**2** पौष प्र.19 पौष शुक्ल चतुर्दशी	**3** पौष प्र.20 पौष शुक्ल पूर्णिमा
4 पौष प्र.21 माघ कृष्ण एकम्	**5** पौष प्र.22 माघ कृष्ण द्वितीया	**6** पौष प्र.23 माघ कृष्ण तृतीया माघ कृ. चतुर्थी का क्षय	**7** पौष प्र.24 माघ कृष्ण पंचमी	**8** पौष प्र.25 माघ कृष्ण षष्ठी	**9** पौष प्र.26 माघ कृष्ण सप्तमी	**10** पौष प्र.27 माघ कृष्ण सप्तमी
11 पौष प्र.28 माघ कृष्ण अष्टमी	**12** पौष प्र.29 माघ कृष्ण नवमी	**13** पौष प्र.30 माघ कृष्ण दशमी	**14** माघ प्र.01 माघ कृष्ण एकादशी षट्तिला एकादशी	**15** माघ प्र.02 माघ कृष्ण द्वादशी	**16** माघ प्र.03 माघ कृष्ण त्रयोदशी प्रदोष व्रत	**17** माघ प्र.04 माघ कृष्ण चतुर्दशी
18 माघ प्र.05 माघ कृष्ण मौनी अमावस	**19** माघ प्र.06 माघ शुक्ल एकम् गुप्त नवरात्र शुरु	**20** माघ प्र.07 माघ शुक्ल द्वितीया	**21** माघ प्र.08 माघ शुक्ल तृतीया	**22** माघ प्र.09 माघ शुक्ल चतुर्थी	**23** माघ प्र.10 माघ शुक्ल पंचमी वसन्त पंचमी	**24** माघ प्र.11 माघ शुक्ल षष्ठी
25 माघ प्र.12 माघ शुक्ल सप्तमी	**26** माघ प्र.13 माघ शुक्ल अष्टमी	**27** माघ प्र.14 माघ शुक्ल नवमी गुप्त नवरात्र समाप्त	**28** माघ प्र.15 माघ शुक्ल दशमी	**29** माघ प्र.16 माघ शुक्ल एकादशी जया एकादशी व्रत	**30** माघ प्र.17 माघ शुक्ल द्वादशी	**31** माघ प्र.18 माघ शुक्ल त्रयोदशी चतुर्दशी तिथि का क्षय

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

फरवरी 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990
हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391
Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com
निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

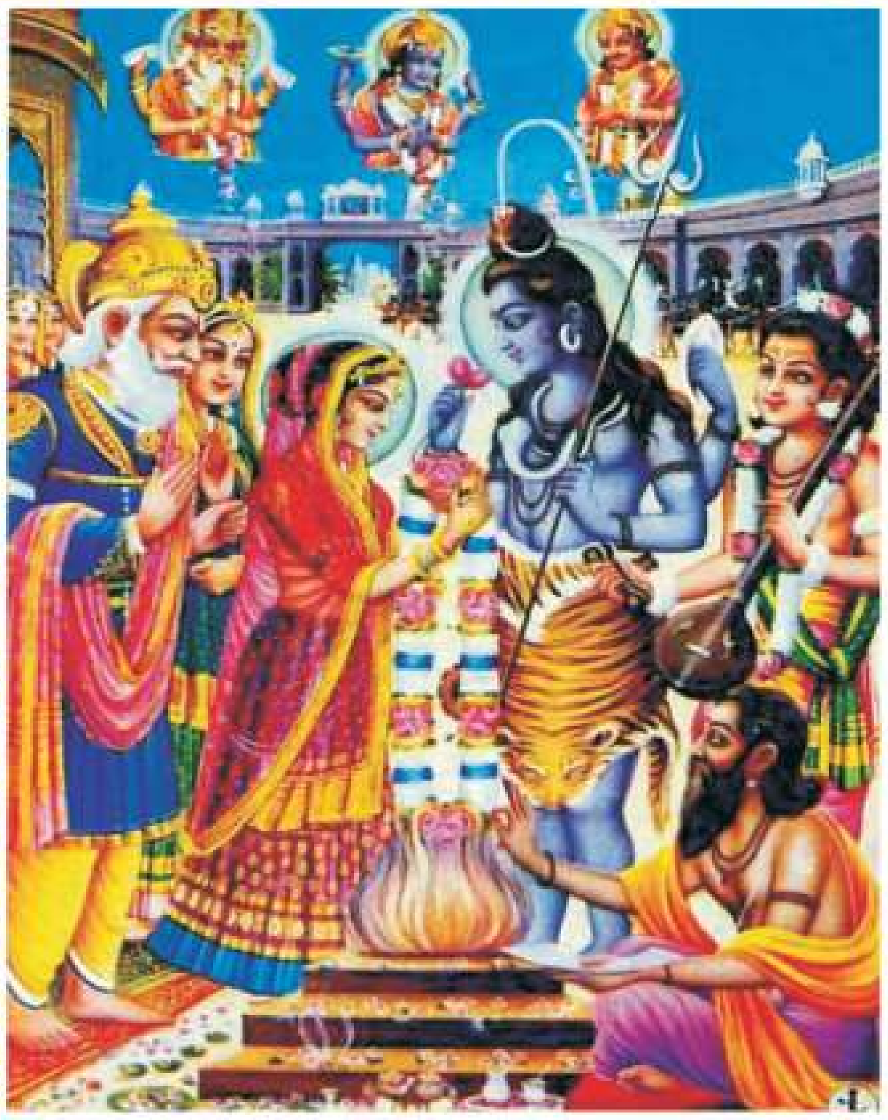

महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि व्रत फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तद्नुसार दिनांक 15 फरवरी 2026 रविवार को मनाया जाएगा। यह व्रत प्रति वर्ष करने से 'नित्य' और किसी कामना पूर्वक करने से 'काम्य' व्रत कहलाता है। एकम् आदि तिथियों के अग्नि आदि स्वामी होते हैं। जिस तिथि का जो स्वामी होता है उस तिथि में उसकी पूजा-अर्चना करनी अत्यन्त उत्तम होती है। चतुर्दशी के स्वामी शिव हैं। इसलिए उनकी रात्रि में व्रत करने से इस व्रत का नाम 'शिवरात्रि' होना सार्थक हो जाता है। ध्यान रहे कि प्रत्येक मास की प्रत्येक कृष्ण चतुर्दशी को तो व्रत करते ही हैं, किन्तु फागुन कृष्ण चतुर्दशी की अर्ध रात्रि को 'शिवलिंगतयोद्भूत: कोटिसूर्यसमप्रभ:'। ईशान संहिता के इस वाक्य के अनुसार ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव हुआ था। इस कारण से उक्त तिथि को ही 'महाशिवरात्रि' मनाई जाती है। 'शिवरात्रिव्रतं नाम सर्व-पापप्रणाशनम्। सर्वविधमनुष्याणां भुक्तिमुक्तिप्रदायकम्' के अनुसार सभी स्त्री-पुरुष और बाल युवा वृद्ध इस व्रत को कर सकते हैं। जिस प्रकार राम-कृष्ण वामन और नृसिंह जयन्ती और प्रत्येक एकादशी को व्रत रखे जाते हैं, उसी प्रकार यह व्रत भी अवश्य रखने योग्य है और इस व्रत के काल आदि का निर्णय भी उसी प्रकार किया जाता है, जैसे अन्य व्रतों का किया जाता है।

विशेष:- जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने प्रत्येक मास के कृष्ण पक्ष की शिवरात्रि को निशि भ्रमन्ति भूतानि शक्तय: शूलभृद् यत:। अतस्तस्यां चतुर्दश्यां सत्यां तत्पूजनं भवेत्। भगवान् शिव का पूजन करने से तमाम पाप-ताप दूर हो जाते हैं। महाशिवरात्रि व्रत करने वाले व्यक्ति की आध्यात्मिक स्थिति सर्वदा सुदृढ़ रहती है। ट्रस्ट हरिद्वार स्थित अपने शिवालय (मन्दिर) में हर वर्ष इस पर्वोत्सव पर रात्रि के समय पण्डितों के निर्देशन में भगवान् शंकर की चारों पहर की पूजाएँ उपस्थित भक्तों की अथवा किसी कारण वश अनागत भक्तों की सुख-समृद्धि एवं नीरोगता के लिए विधि-विधान से करवाकर शुभाशीष प्राप्त कर कृत-कृत्य होता है। एतदर्थ अनागत भक्तों ने भी कम से कम 1500/- रुपये की राशि दी होती है।

फरवरी 2026

सूर्योत्तरायण शिशिर वसन्त ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

- दि. 01 माघ पूर्णिमा, श्री गुरु रविदास जयंती, माघ स्नान समाप्त
- दि. 02 फागुन कृष्ण पक्ष शुरु, 31/05 पर शुक्र का बचपन समाप्त
- दि. 05 श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 09/47 मिंट पर रात को
- दि. 12 सूर्य मकर राशि से कुम्भ में 28/08 मिंट पर, 30 मु. फागुन संक्रान्ति, तथा जप-दान-यज्ञ-हवन-पूजा पाठादि के लिए पर्व पुण्यकाल अगले दिन 10/32 मिंट तक
- दि. 12 स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती
- दि. 13 विजया एकादशी व्रत
- दि. 14 शनि प्रदोष व्रत
- दि. 15 श्री महाशिवरात्रि व्रत, सर्वार्थ सिद्धि योग
- दि. 17 भौमवती फागुन अमावस (हरिद्वारादि तीर्थ स्नान दान माहात्म्य)
- दि. 18 फागुन शुक्ल पक्ष शुरु, वसन्त ऋतु का प्रारम्भ।
- दि. 19 श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती (फुलेरा दूज मथुरा-वृन्दावन)
- दि. 22 महर्षि याज्ञवल्क्य जयन्ती
- दि. 23 फागुन शुक्ल सप्तमी तिथि का क्षय
- दि. 24 अन्नपूर्णा अष्टमी, होलाष्टक शुरु होकर 3 मार्च तक रहेगा
- दि. 27 आमलकी एकादशी व्रत
- दि. 28 गोविन्द द्वादशी

भद्रा काल

- दि. 01 16/46 मिंट तक
- दि. 04 12/26 से 24/10 मिंट तक
- दि. 07 26/55 मिंट से
- दि. 08 15/59 मिंट तक
- दि. 11 23/11 मिंट से
- दि. 12 12/23 मिंट तक
- दि. 15 17/05 से 29/20 मिंट तक
- दि. 20 25/50 मिंट से
- दि. 21 13/01 मिंट तक
- दि. 24 07/03 से 17/58 मिंट तक
- दि. 27 11/34 से 22/33 मिंट तक

पंचक

दिनांक 17 मंगलवार प्रात: 09/06 मिंट से प्रारम्भ
दिनांक 21 शनिवार सायं 19/07 मिंट पर समाप्त

विक्रमी संवत् 2082, माघ प्रविष्टा 19 एवं माघ शुक्ल पूर्णिमा, रविवार से फागुन प्रविष्टा 17 एवं फागुन शुक्ल द्वादशी शनिवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
1 माघ प्र.19 माघ शुक्ल पूर्णिमा श्री गुरु रविदास जयंती	2 माघ प्र.20 फागुन कृष्ण एकम्	3 माघ प्र.21 फागुन कृष्ण द्वितीया	4 माघ प्र.22 फागुन कृष्ण तृतीया	5 माघ प्र.23 फागुन कृष्ण चतुर्थी	6 माघ प्र.24 फागुन कृष्ण पंचमी	7 माघ प्र.25 फागुन कृष्ण षष्ठी
8 माघ प्र.26 फागुन कृष्ण सप्तमी	9 माघ प्र.27 फागुन कृष्ण अष्टमी	10 माघ प्र.28 फागुन कृष्ण अष्टमी	11 माघ प्र.29 फागुन कृष्ण नवमी	12 फागुन प्र.01 फागुन कृष्ण दशमी	13 फागुन प्र.02 फागुन कृष्ण एकादशी	14 फागुन प्र.03 फागुन कृष्ण द्वादशी प्रदोष व्रत
15 फागुन प्र.04 फागुन कृष्ण त्रयोदशी श्री महाशिवरात्रि व्रत	16 फागुन प्र.05 फागुन कृष्ण चतुर्दशी	17 फागुन प्र.06 फागुन कृष्ण अमावस	18 फागुन प्र.07 फागुन शुक्ल एकम्	19 फागुन प्र.08 फागुन शुक्ल द्वितीया	20 फागुन प्र.09 फागुन शुक्ल तृतीया	21 फागुन प्र.10 फागुन शुक्ल चतुर्थी
22 फागुन प्र.11 फागुन शुक्ल पंचमी	23 फागुन प्र.12 फागुन शुक्ल षष्ठी सप्तमी का क्षय...	24 फागुन प्र.13 फागुन शुक्ल अष्टमी होलाष्टक शुरु	25 फागुन प्र.14 फागुन शुक्ल नवमी	26 फागुन प्र.15 फागुन शुक्ल दशमी	27 फागुन प्र.16 फागुन शुक्ल एकादशी आमलकी एकादशी व्रत	28 फागुन प्र.17 फागुन शुक्ल द्वादशी

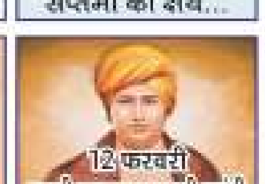

होलियाँ 24 फरवरी से शुरु होकर 3 मार्च तक रहेंगी

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

मार्च 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990
हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391
Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com
निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

नवरात्रे एवं गुप्त नवरात्रे

चैत्र, आषाढ, आश्विन एवं माघ- हर वर्ष के इन चारों महीनों में गर्मी-बरसात, सर्दी और वसन्त के सुहाने मौसम शुरु होते हैं। इन चारों महीनों में शुक्ल पक्ष की एकम् से नौमी तक के नौ दिन के नवरात्र पर्व को 'नवरात्रि पर्व' भी कहा जाता है परन्तु प्रसिद्धि में चैत्र व असूज के नवरात्र ही मुख्य रूप में मनाये जाते हैं, जिन्हें क्रमानुसार 'वासन्तिक व शारदीय नवरात्र' भी कहते हैं। इनमें भी श्रद्धालु भक्तजन असूज के नवरात्र पर्व को अधिक मानते हैं क्योंकि इन नवरात्रों में जगज्जननी माता जी की प्रधानता होती है किन्तु चैत्र के नवरात्रों में श्री लक्ष्मीनारायण जी की भी प्रधानता बनी रहती है। नौ की संख्या 'ब्रह्म' की होने से ये पर्व विशेष महत्वशील बन जाते हैं।

आषाढ और माघ शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक के 9 दिन वाले नवरात्र पर्व को गुप्त नवरात्र के रूप में मनाते हैं। 'जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट' ने इन गुप्त नवरात्रों के पर्वों को भी मनाने का निर्णय लिया है ताकि श्रद्धालु भक्तजनों को उपरोक्त चारों नवरात्र पर्वों में से जब भी समय मिले तो वे हरिद्वार स्थित 'जम्मू यात्री भवन' के देवी-देवताओं के मन्दिर में स्वयं उपस्थित रह कर जगत् जननी की शुभाशीष प्राप्त कर सकें। ध्यान रहे कि नवरात्रों का पर्व 9 रात्रि पूर्ण होने से पूर्ण होता है। इस पर्व में शक्ति की उपासना तो देवी भागवत पुराण के अनुसार 'त्रिकालं पूजयेद् देवीं नित्यं जपपरायण:' प्रसिद्ध तो है ही साथ ही शक्तिधर (श्री विष्णु) जी की उपासना भी की जाती है तभी तो लक्ष्मीनारायणाम्यां नम: उमा महेश्वराम्यां नम: आदि-आदि मन्त्र बोले जाते हैं।

गुप्त नवरात्र : 19 जनवरी 2026 माघ शुक्ल पक्ष एकम् सोमवार से आरम्भ होकर 27 जनवरी 2026 माघ शुक्ल नवमी मंगलवार तक हैं।
15 जुलाई 2026 बुधवार आषाढ शुक्ल एकम् से आरम्भ होकर 22 जुलाई 2026 बुधवार आषाढ शुक्ल नवमी तक हैं।

वासंती नवरात्र : 19 मार्च गुरुवार चैत्र शुक्ल एकम् से आरम्भ होकर 27 मार्च 2026 शुक्रवार चैत्र शुक्ल नवमी तक हैं।

शारदीय नवरात्र : 11 अक्तूबर रविवार असूज शुक्ल एकम् से आरम्भ होकर 20 अक्तूबर 2026 मंगलवार असूज शुक्ल नवमी तक हैं।

19 मार्च 2026 गुरुवार को प्रथम नवरात्र में शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के साथ ही रौद्र नवसंवत्सर प्रारंभ होगा। संवत्सर फल श्रवण के साथ ही विक्रमी संवत् 2083 का भी शुभारम्भ होगा। 27 मार्च शुक्रवार को श्री दुर्गा नवमी पर्व के साथ नवरात्र समाप्ति, भगवान् श्रीराम के जन्मोत्सव स्वरूप श्री रामनवमी पर्व भी देश-विदेश में 26 मार्च गुरुवार को मनाया जाएगा। वैशाखी 14 अप्रैल मंगलवार को धूम-धाम से मनाई जाएगी। 19 अप्रैल रविवार को छठे अवतार भगवान् परशुराम जी का जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा। 19 अप्रैल अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर ही श्रीकेदारनाथ-बदरीनाथ यात्रा प्रारंभ होगी।

विशेष:- जनताजनार्दन की पारिवारिक-शारीरिक, मानसिक एवं व्यावसायिक सुख-समृद्धि के लिए जम्मू यात्री भवन के न्यासीगण हरिद्वार स्थित जम्मू यात्री भवन के मन्दिर में उपरोक्त नवरात्रों में चण्डीपाठ का आयोजन करते हैं। अतएव माँ भगवती के आशीर्वाद के लिए अवश्यमेव अपने निवास-स्थान पर पूजा करें तथा हरिद्वार में भी उपरोक्त नवरात्रों में भगवती के नौ रूपों की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना में अपनी श्रद्धानुसार 1 से 9 चण्डी पाठ करवाकर जगज्जननी की शुभाशीष प्राप्त करने का अवश्य प्रयत्न करें। इस सम्बन्ध में जानकारी ऊपर लिखे मोबाईल नम्बरों पर प्राप्त कर सकते हैं।

मार्च 2026

सूर्योत्तरायण
वसन्त ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

दि. 01 प्रदोष व्रत
दि. 02 श्री सत्य नारायण व्रत, होलिका दहन पर्व
दि. 03 फागुन पूर्णिमा (होलाष्टक समाप्त), श्री चैतन्य महाप्रभुजयंती चन्द्रोदय चंद्र ग्रहण 15:20 से स्पर्श करता हुआ 18:47 मिंट पर समाप्त होगा। ग्रहण सूतक प्रात: 6:20 मिंट पर शुरू।
दि. 04 चैत्र कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
दि. 05 सन्त तुकाराम जयन्ती
दि. 06 श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय: रात्रि 09:30 पर
दि. 08 मेला गुरु रामराय (देहरादून-उत्तराखण्ड)
दि. 09 एकनाथ षष्ठी सर्वार्थ सिद्धि योग
दि. 11 शीतलाष्टमी व्रत
दि. 14 सूर्य 25:01 मिंट पर मीन राशि में 45 मु. चैत्र संक्रान्ति का पुण्य काल अगले दिन प्रात: 07/25 मिंट तक
दि. 15 पापमोचनी एकादशी व्रत।
दि. 16 सोम प्रदोष व्रत
दि. 17 मासिक शिवरात्रि व्रत, वारुणी योग 09/23 मिंट तक
दि. 18 पितृकार्येषु अमावस
दि. 19 चैत्र अमावस प्रात: 06:53 मिंट तक, विक्रमी संवत् 2082 पूर्ण एवं सं. वि. 2083 चैत्र शुक्ल एकम् तिथि क्षय, वि. सं. 2083 प्रारम्भ वासन्ती नवरात्र प्रारम्भ घट स्थापना श्री दुर्गा पूजा अभिजित् मुहूर्त में
दि. 21 श्री मत्स्य जयन्ती गणगौरी तृतीया
दि. 23 श्री (लक्ष्मी) पंचमी
दि. 24 स्कन्द षष्ठी व्रत
दि. 26 दुर्गाष्टमी, श्री राम नवमी मेला बाहु दुर्ग जम्मू, मेला देवी कांगड़ा (हि.प्र.) अन्नपूर्णाष्टमी पूजन
दि. 27 श्री दुर्गा नवमी नवरात्र समाप्त
दि. 28 नवरात्र व्रत पारणा
दि. 29 कामदा एकादशी व्रत
दि. 30 सोम प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी
दि. 31 श्री महावीर जयन्ती (जैन)

भद्रा काल

दि. 02 17:56 से 29:32 मिंट तक
दि. 05 29:29 मिंट से
दि. 06 17:54 मिंट तक
दि. 09 23:28 मिंट से
दि. 10 12:42 मिंट तक
दि. 13 19:21 मिंट से
दि. 14 08:11 मिंट तक
दि. 17 09:23 मिंट से 20:55 मिंट तक
दि. 22 10:37 से 21:17 मिंट तक
दि. 25 13:51 से 24:50 मिंट तक
दि. 28 20:17 मिंट से
दि. 29 0747 मिंट तक

पंचक

दिनांक 16 सोमवार 18:14 मिंट पर प्रारम्भ
दिनांक 20 शुक्रवार 26:28 मिंट पर रात को पंचक समाप्त होंगे

विक्रमी संवत् 2082 फागुन प्रविष्टा 18 एवं फागुन शुक्ल त्रयोदशी रविवार से चैत्र प्रविष्टा 18 एवं वि.सं. 2083 चैत्र शुक्ल त्रयोदशी मंगलवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
1 फागुन प्र.18 फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी प्रदोष व्रत	**2** फागुन प्र.19 फागुन शुक्ल चतुर्दशी	**3** फागुन प्र.20 फागुन शुक्ल पूर्णिमा	**4** फागुन प्र.21 चैत्र कृष्ण एकम्	**5** फागुन प्र.22 चैत्र कृष्ण द्वितीया	**6** फागुन प्र.23 चैत्र कृष्ण तृतीया	**7** फागुन प्र.24 चैत्र कृष्ण चतुर्थी
8 फागुन प्र.25 चैत्र कृष्ण पंचमी	**9** फागुन प्र.26 चैत्र कृष्ण षष्ठी	**10** फागुन प्र.27 चैत्र कृष्ण सप्तमी	**11** फागुन प्र.28 चैत्र कृष्ण अष्टमी	**12** फागुन प्र.29 चैत्र कृष्ण नवमी	**13** फागुन प्र.30 चैत्र कृष्ण दशमी	**14** चैत्र प्र.01 चैत्र कृष्ण दशमी
15 चैत्र प्र.02 चैत्र कृष्ण एकादशी	**16** चैत्र प्र.03 चैत्र कृष्ण द्वादशी	**17** चैत्र प्र.04 चैत्र कृष्ण त्रयोदशी	**18** चैत्र प्र.05 चैत्र कृष्ण चतुर्दशी	**19** चैत्र प्र.06 चैत्र कृष्ण अमावस एकम् का क्षय...	**20** चैत्र प्र.07 चैत्र शुक्ल द्वितीया	**21** चैत्र प्र.08 चैत्र शुक्ल तृतीया
22 चैत्र प्र.09 चैत्र शुक्ल चतुर्थी	**23** चैत्र प्र.10 चैत्र शुक्ल पंचमी	**24** चैत्र प्र.11 चैत्र शुक्ल षष्ठी	**25** चैत्र प्र.12 चैत्र शुक्ल सप्तमी	**26** चैत्र प्र.13 चैत्र शुक्ल अष्टमी	**27** चैत्र प्र.14 चैत्र शुक्ल नवमी	**28** चैत्र प्र.15 चैत्र शुक्ल दशमी
29 चैत्र प्र.16 चैत्र शुक्ल एकादशी	**30** चैत्र प्र.17 चैत्र शुक्ल द्वादशी	**31** चैत्र प्र.18 चैत्र शुक्ल त्रयोदशी				

दिनांक 19 मार्च गुरुवार को चैत्री अमावस प्रात: 06/53 मिंट पर समाप्त होने के साथ विक्रमी संवत् 2082 पूर्ण हुआ तथा 'रौद्र' नामक नव संवत्सर एवं विक्रमी संवत् 2083 व चैत्री-वासन्तिक नवरात्र शुरु होने के कारण अभिजित् मुहूर्त में घट स्थापन, क्षेत्रीवपन, चण्डीपाठादि मांगलिक कार्य तथा अखण्ड ज्योति प्रज्ज्वलन, द्वारवन्दनादि कार्य किये जाएंगे।

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

अप्रैल 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990
हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391
Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com
निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवम् धर्मशाला

आप भलीभांति जानते हैं कि 'जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट' पिछले तीन दशकों से हरिद्वार में वैदिक सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करने एवम् जनता-जनार्दन की सेवा में निरंतर लगा हुआ है। ट्रस्ट के इस निरंतर प्रयास के फलस्वरूप जम्मू-कश्मीर सरकार (जे.डी.ए) द्वारा बी.सी.रोड, बस स्टैंड के सामने ट्रस्ट को एक कनाल भूमि अलाट की गई है। इस भूमि का सारा शुल्क एक दानी सज्जन परिवार 'श्री लक्ष्मी चन्द राज पुरोहित' जी द्वारा दिया गया है। अब ट्रस्ट ने यह निर्णय लिया है कि इस भवन में सर्वप्रथम:-

1. संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् जी का मंदिर बनाना।
2. सार्वजनिक प्रयोग में आने वाले देव / पितृ कार्य के लिए एक बड़ा हाल बनाना।
3. सार्वजनिक दैनिक भोग प्रसाद भण्डारे का आयोजन करते रहना।
4. वैदिक सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए इसी स्थान पर व्यवस्था करते रहना।
5. इसी संदर्भ को आगे बढ़ाते हुए ट्रस्ट इस पर भी विचार कर रहा है कि जम्मू के प्रतिष्ठित डॉक्टर्स जो दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों के बड़े-बड़े हस्पतालों में कार्यरत हैं, उनसे अनुरोध करके उन्हें जम्मू की जनता की सेवा करने के लिए यहाँ आमंत्रित करते रहना।
6. 'जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट' का भविष्य में मुख्य कार्यालय भी इसी स्थान पर कार्यरत रहा करेगा।

इस सारे भवन का 10,000 से लेकर 11,000 वर्ग फुट क्षेत्र रहेगा। ट्रस्ट दानी सज्जनों से प्रार्थना करता है कि जिस तरह आप सब ने हरिद्वार में 'जम्मू यात्री भवन निर्माण', 'गो शाला निर्माण', 'यज्ञ शाला निर्माण' एवम् 'मन्दिर निर्माण' में अपना हृदय से सहयोग देकर हमें कृत-कृत्य किया है तथा ट्रस्ट का नाम पूरे भारत में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में चमत्कृत करने में हमारा सहयोग किया है। इसीप्रकार बी. सी.रोड स्थित ट्रस्ट के मुख्य कार्यालय को बनाने में हमारा सहयोग करके इसे जनता-जनार्दन की सेवा में समर्पित करने में सहयोग दें।

ट्रस्ट आपसे यह प्रार्थना करता है कि आप अपने परिवार की सुख-समृद्धि हेतु प्रति सदस्य कम से कम एक वर्ग फुट भूमि का सहयोग मात्र 2100/- रूपये में ज़रूर करें।

आप चाहें तो सहयोग राशि ऑनलाईन या बैंक डिपाजिट दिए हुए अकाउंट नम्बरों पर भी कर सकते हैं:-

J&K BANK, RESIDENCY ROAD, JAMMU. A/C : 0076040100022029, IFSC CODE : JAKA0KEEPER

अप्रैल 2026

सूर्योत्तरायण
वसन्त-ग्रीष्म ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

- दि. 01 श्री सत्यनारायण व्रत,
- दि. 02 श्री हनुमान् जयन्ती (दक्षिण भारत) चैत्री पूर्णिमा, वैशाख स्नान प्रारम्भ
- दि. 03 वैशाख कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
- दि. 05 श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 22:15
- दि. 06 सती अनुसुइया जयन्ती
- दि. 13 वरुथिनी एकादशी व्रत, श्री वल्लभाचार्य जयन्ती
- दि. 14 वैशाख संक्रान्ति पु.का. सूर्योदय से 15:55 मिंट तक वैसाखी मेला, डॉ. अम्बेडकर जयन्ती
- दि. 15 प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत
- दि. 17 वैशाख अमावस, मेला पिंजौर (कालका, हरियाणा)
- दि. 18 वैशाख शुक्ल पक्ष प्रारम्भ
- दि. 19 भगवान् परशुराम जयन्ती, अक्षय तृतीया पर्व, शिवाजी जयंती
- दि. 20 अगस्त्य अस्त, वैशाख शुक्ल चतुर्थी तिथि का क्षय
- दि. 21 आद्यगुरु श्री शङ्कराचार्य जयन्ती
- दि. 22 श्री रामानुजाचार्य जयन्ती
- दि. 23 श्री गङ्गा जयन्ती
- दि. 24 श्री बगलामुखी जयन्ती
- दि. 25 श्री जानकी (सीता) जयन्ती
- दि. 27 मोहिनी एकादशी व्रत
- दि. 29 प्रदोष व्रत
- दि. 30 श्री नृसिंह जयंती

भद्रा काल

- दि. 01 07:07 से 19:15 मिंट तक
- दि. 04 23:05 मिंट से
- दि. 05 दिन के 12:00 बजे तक
- दि. 08 19:02 मिंट से
- दि. 09 08:11 मिंट तक
- दि. 12 12:58 से 25:17 मिंट तक
- दि. 15 22:32 मिंट से
- दि. 16 09:22 मिंट तक
- दि. 20 17:52 से 28:15 मिंट तक
- दि. 23 20:50 मिंट से
- दि. 24 08:06 मिंट तक
- दि. 27 06:13 से 18:17 तक
- दि. 30 21:13 मिंट से

पंचक

दिनांक 12 रविवार को रात्रि 27:45 पर प्रारम्भ
दिनांक 17 शुक्रवार को दोपहर 12:03 पर समाप्त

विक्रमी संवत् 2083 चैत्र प्रविष्टा 19 एवं चैत्र शुक्ल चतुर्दशी बुधवार से वैशाख प्रविष्टा 17 एवं वैशाख शुक्ल चतुर्दशी गुरुवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
19 अप्रैल भगवान् परशुराम जयंती	19 अप्रैल शिवाजी जयंती	21 अप्रैल श्री शंकराचार्य जयंती	1 चैत्र प्र.19 चैत्र शुक्ल चतुर्दशी	2 चैत्र प्र.20 चैत्र शुक्ल पूर्णिमा	3 चैत्र प्र.21 वैशाख कृष्ण एकम्	4 चैत्र प्र.22 वैशाख कृष्ण द्वितीया
5 चैत्र प्र.23 वैशाख कृष्ण तृतीया	6 चैत्र प्र.24 वैशाख कृष्ण चतुर्थी	7 चैत्र प्र.25 वैशाख कृष्ण पंचमी	8 चैत्र प्र.26 वैशाख कृष्ण षष्ठी	9 चैत्र प्र.27 वैशाख कृष्ण सप्तमी	10 चैत्र प्र.28 वैशाख कृष्ण अष्टमी	11 चैत्र प्र.29 वैशाख कृष्ण नवमी
12 चैत्र प्र.30 वैशाख कृष्ण दशमी	13 चैत्र प्र. 31 वैशाख कृष्ण एकादशी	14 वैशाख प्र.01 वैशाख कृष्ण द्वादशी	15 वैशाख प्र.02 वैशाख कृष्ण त्रयोदशी	16 वैशाख प्र.03 वैशाख कृष्ण चतुर्दशी	17 वैशाख प्र.04 वैशाख कृष्ण अमावस	18 वैशाख प्र.05 वैशाख शुक्ल एकम्
19 वैशाख प्र.06 वैशाख शुक्ल द्वितीया	20 वैशाख प्र.07 वैशाख शुक्ल तृतीया चतुर्थी तिथि का क्षय	21 वैशाख प्र.08 वैशाख शुक्ल पंचमी	22 वैशाख प्र.09 वैशाख शुक्ल षष्ठी	23 वैशाख प्र.10 वैशाख शुक्ल सप्तमी	24 वैशाख प्र.11 वैशाख शुक्ल अष्टमी	25 वैशाख प्र.12 वैशाख शुक्ल नवमी
26 वैशाख प्र.13 वैशाख शुक्ल दशमी	27 वैशाख प्र.14 वैशाख शुक्ल एकादशी	28 वैशाख प्र.15 वैशाख शुक्ल द्वादशी	29 वैशाख प्र.16 वैशाख शुक्ल त्रयोदशी	30 वैशाख प्र.17 वैशाख शुक्ल चतुर्दशी	2 अप्रैल श्रीहनुमान् जयन्ती दक्षिण भारत	14 अप्रैल वैशाखी

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

मई 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990

हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391

Website: www.jammuyatribhawan.in **Jammu e-mail:** jammuyatribhawanho@gmail.com **Haridwar e-mail:** jammuyatribhawan@gmail.com

निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

पुरुषोत्तम मास - 17 मई से 15 जून, 2026 ई. तक

आगामी वि.संवत् 2083 (सन् 2026-27 ई.) में चान्द्र ज्येष्ठ मास अधिक मास होगा। इस चान्द्र मास की कालावधि 17 मई, रविवार से 15 जून, सोमवार तक रहेगी। अधिक मास निर्णय- सूर्य-सिद्धान्त, सिद्धान्त-शिरोमणि, ब्रह्म-सिद्धान्त आदि सैद्धान्तिक ग्रन्थों के अनुसार जिस चान्द्र-मास में सूर्य-संक्रान्ति का अभाव हो, उस चान्द्र मास को अधिक मास कहते हैं।

यस्मिन् मासे न संक्रान्तिः, संक्रान्ति द्वयमेव वा। मलमासः स विज्ञेयो मासे त्रिंशत्तमे भवेत्।। (ब्रह्मसिद्धान्त)

लोक-व्यवहार में संक्रान्ति रहित मास 'अधिक मास' के अतिरिक्त अधि-मास, मलमास व आध्यात्मिक विषयों में अत्यन्त पुण्यदायी होने के कारण 'पुरुषोत्तम-मास' आदि नामों से भी जाना जाता है। ज्योतिष गणनानुसार एक सौर वर्ष 365 दिन, 6 घण्टे, एवं 11 सैकिण्ड का होता है, जबकि एक चान्द्रवर्ष 354 दिन एवं लगभग 9 घण्टे का होता है। सौर वर्ष एवं चान्द्र वर्ष तथा सौर मास एवं च चान्द्र-मास के मध्य सामंजस्य स्थापित करने के लिए भारतीय शास्त्रकारों द्वारा 'अधिक-मास' की परिकल्पना (व्यवस्था) की गई है। पुरुषार्थ चिन्तामणि के अनुसार एक अधिक मास से दूसरे अधिक (मल) मास तक की अवधि अर्थात् पुनरावृत्ति 28 मास से लेकर 36 मास के भीतर होना सम्भव है। इस प्रकार हर तीसरे वर्ष में अधिक मास अर्थात् पुरुषोत्तम मास की पुनरावृत्ति होना सम्भव है।

अधिक या मलमास का अभिप्राय: निन्दित एवं वर्जनीय मास नहीं, बल्कि मनुष्य के निन्दनीय पाप कर्मों को प्रवाहित गंगाधारा में धो ढालने वाला मास ही 'मलमास' कहलाता है, क्योंकि इस मास को भगवान् विष्णु ने स्वयं अपना नाम 'पुरुषोत्तम' देकर कहा है कि अब मैं इस मास का स्वामी हो गया हूँ और इसका नाम समस्त जगत् में पवित्र होगा तथा मेरी सादृश्यता को प्राप्त करके यह मास अन्य सब मासों का अधिपति होगा। यह जगत्पूज्य और जगत् में वन्दनीय होगा। पुरुषोत्तम मास में प्रतिदिन स्नान, दान, जपादि करने से लोगों के दु:ख, शोक, पाप और दारिद्रय का निवारण हो जाता है तथा नियमपूर्वक संयमित रहकर भगवान् की विधिपूर्वक पूजार्चन करने से अलौकिक आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त होती है तथा मृत्यु के बाद किसी प्रकार की अधोगति का भय नहीं रहता। अधिक मास के आने पर जो व्यक्ति श्रद्धा एवं भक्तिपूर्वक व्रत, उपवास, श्रीविष्णु पूजन, पुरुषोत्तम-माहात्म्य का पाठ, दानादि शुभ कर्म करता है, वह मनोवांछित फल प्राप्त कर लेता है और अन्त में गोलोक पहुँचकर भगवान् श्रीकृष्ण का सान्निध्य प्राप्त करता है।

पुरुषोत्तम मास में क्या करें? भविष्योत्तरपुराण अनुसार पुरुषोत्तम (अधि. मास) मास में ईश्वर (भगवान् कृष्ण) के निमित्त जो व्रत, उपवास, स्नान, दान या पूजनादि किए जाते हैं, उन सबका अक्षय फल होता है और व्रती के सब अनिष्ट नष्ट हो जाते हैं। पुराणों में शास्त्रकारों ने सर्वपाप हरण करने वाले अधिमास काल में व्रत, उपवास, पूजन, दान आदि के सम्बन्ध में विभिन्न प्रकार के विधान बतलाए हैं। हेमाद्रि अनुसार पुरुषोत्तम मास (अधिमास) आरम्भ होने पर प्रात: स्नानादि नित्यकर्म से निवृत्त होकर एकभुक्त या नक्तव्रत रखकर भगवान् विष्णु स्वरूप सहस्रांशु (भास्कर) का मंत्रों द्वारा लालपुष्प सहित पूजन एवं स्तोत्र पाठ करके कांस्य पात्र में भरे हुए अन्न, फल, वस्त्रादि का दान किया जाता है। पूजनोपरान्त अथवा अधिकमास के अन्तिम दिन विविध प्रकार के घी, गुड़ और अन्न का दान करें तथा घी, गेहूँ और गुड़ के बनाए हुए तैंतीस अपूप (पूड़े) पात्र में रखकर फल, मिष्ठान्न, वस्त्र, दक्षिणा सहित ब्राह्मण को दान करें।

मई 2026

सूर्योत्तरायण
ग्रीष्म ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

- दि. 01 वैशाख पूर्णिमा, श्री बुद्ध जयन्ती, श्री सत्य नारायण व्रत, वैशाख स्नान समाप्त, महर्षि भृगु जयन्ती
- दि. 02 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
- दि. 03 श्री नारद जयन्ती, वीणा दान
- दि. 05 अङ्गारकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय: 22:54 पर
- दि. 07 टैगोर जयन्ती
- दि. 13 अपरा एकादशी व्रत
- दि. 14 प्रदोष व्रत
- दि. 15 मासिक शिवरात्रि व्रत, सूर्य मेष से 06:21 मिंट पर वृष में 30 मुहूर्ति ज्येष्ठ संक्रान्ति पु.का. दोपहर 12:45 तक, चतुर्दशी तिथि का क्षय...
- दि. 16 शुद्ध ज्येष्ठ शनिवारी अमावस, शनैश्वर जयन्ती, वट सावित्री व्रत
- दि. 17 ज्येष्ठ अधिक (पुरुषोत्तम) मास शुरु, प्रथम अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, गंगा स्नान प्रारम्भ
- दि. 22 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी तिथि का क्षय
- दि. 25 श्री गंगा दशहरा पर्व
- दि. 27 पुरुषोत्तमा (कमला) एकादशी व्रत
- दि. 28 प्रदोष व्रत
- दि. 30 श्री सत्यनारायण व्रत
- दि. 31 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा व्रत

भद्रा काल

दि. 01	10:03 मिंट तक	दि. 20	11-07 तक
दि. 04	16:14 से 29:25 मिंट तक	दि. 22	29:05 से
दि. 08	12:22 से 25:13 तक	दि. 23	16:47 तक
दि. 11	27:09 से	दि. 26	17:47 से
दि. 12	14:53 तक	दि. 27	06:22 तक
दि. 15	08:32 से 18:52 तक	दि. 30	11:58 से 25:06 तक
दि. 19	24:43 से		

पंचक

दिनांक 10 रविवार को 12:13 मिनट पर प्रारम्भ
दिनांक 14 गुरुवार को 22:34 मिनट पर समाप्त

विक्रमी संवत् 2083 वैशाख प्रविष्टा 18 एवं वैशाख शुक्ल पूर्णिमा शुक्रवार से ज्येष्ठ प्रविष्टा 17 एवं प्रथम अधिक ज्येष्ठ पूर्णिमा रविवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
31 ज्येष्ठ प्र.17 ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा व्रत	ज्येष्ठ अधिक (पुरुषोत्तम) मास 17 मई रविवार से 15 जून, 2026 सोमवती अमावस तक रहेगा	01 मई महात्मा बुद्ध जयन्ती	25 मई श्री गंगा दशहरा	**1** वैशाख प्र.18 वैशाख शुक्ल पूर्णिमा	**2** वैशाख प्र.19 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. एकम्
3 वैशाख प्र.20 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. द्वितीया	**4** वैशाख प्र.21 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. तृतीया	**5** वैशाख प्र.22 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. चतुर्थी	**6** वैशाख प्र.23 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. चतुर्थी	**7** वैशाख प्र.24 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. पंचमी	**8** वैशाख प्र.25 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. षष्ठी	**9** वैशाख प्र.26 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. सप्तमी
10 वैशाख प्र.27 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. अष्टमी	**11** वैशाख प्र.28 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. नवमी	**12** वैशाख प्र.29 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. दशमी	**13** वैशाख प्र.30 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. एकादशी	**14** वैशाख प्र.31 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. द्वादशी	**15** ज्येष्ठ प्र.01 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. त्रयोदशी, चतुर्दशी का क्षय....	**16** ज्येष्ठ प्र.02 प्रथम (शुद्ध) ज्येष्ठ कृ. अमावस शनैश्चर जयन्ती
17 ज्येष्ठ प्र.03 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. एकम्	**18** ज्येष्ठ प्र.04 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. द्वितीया	**19** ज्येष्ठ प्र.05 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. तृतीया	**20** ज्येष्ठ प्र.06 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. चतुर्थी	**21** ज्येष्ठ प्र.07 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. पंचमी	**22** ज्येष्ठ प्र.08 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. षष्ठी, सप्तमी का क्षय...	**23** ज्येष्ठ प्र.09 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. अष्टमी श्री दुर्गाष्टमी
24 ज्येष्ठ प्र.10 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. नवमी	**25** ज्येष्ठ प्र.11 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. दशमी	**26** ज्येष्ठ प्र.12 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. एकादशी	**27** ज्येष्ठ प्र.13 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. पुरुषोत्तमा एकादशी व्रत	**28** ज्येष्ठ प्र.14 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. द्वादशी	**29** ज्येष्ठ प्र.15 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. त्रयोदशी	**30** ज्येष्ठ प्र.16 प्रथम (अधिक) ज्येष्ठ शु. चतुर्दशी

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

जून 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990
हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391
Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com
निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

सन्त श्री कबीर जयन्ती

प्रत्येक वर्ष, ज्येष्ठ मास में पूर्णिमा तिथि को संत कबीर की जयंती मनाई जाती है लेकिन इस बार उनकी जयंती 29 जून यानि आषाढ़ प्रविष्टा 15 सोमवार 2083 पूर्णिमा तिथि को मनाई जाएगी। कबीर दास जी का जन्म 1398 ई. में माना जाता है। इनके जन्म के समय सर्वत्र अंधविश्वास और पाखंड का बोलबाला था। इन्होंने समाज में व्याप्त भ्रांतियों और बुराईयों को दूर करने में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया और लोगों में भक्ति भाव का बीज बोया। कबीर दास जी के दोहे अत्यंत सरल भाषा में हैं, जिनके कारण इनके दोहों ने लोगों पर अत्यंत व्यापक प्रभाव डाला और आज भी कबीर दास जी के दोहे जीवन जीने की सही राह दिखाते हैं। कबीर जी संतमत के प्रवर्त्तक और संत काव्य के सर्वश्रेष्ठ कवि माने जाते हैं। इन्होंने विलक्षणता के धनी और समाज-सुधारक होते हुए समाज में अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। इनके समान सशक्त और क्रांतिकारी कोई अन्य कवि हिन्दी साहित्य में शायद ही दिखाई पड़ता है।

कबीरा खड़ा बाज़ार में, मांगे सबकी ख़ैर! न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर!!
अर्थात् इस संसार में आकर कबीर अपने जीवन में बस यही चाहते हैं कि सबका भला हो और संसार में यदि किसी से दोस्ती नहीं तो दुश्मनी भी न हो!

जून 2026

सूर्योत्तर-दक्षिणायन
ग्रीष्म/वर्षा ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

- दि. 01 द्वितीय (अधिक) ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
- दि. 03 श्री गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 22:21 पर
- दि. 11 श्री पुरुषोत्तमा (कमला) एकादशी व्रत
- दि. 12 प्रदोष व्रत
- दि. 13 मासिक शिवरात्रि व्रत
- दि. 14 पितृकार्येषु अमावस पर्व
- दि. 15 सूर्य वृष से दोपहर 12:52 पर मिथुन राशि में 30 मुहूर्ति आषाढ़ संक्रान्ति पु. काल सारा दिन। द्वितीय (अधिक) ज्येष्ठ सोमवती अमावस पुरुषोत्तम मास समाप्ति पर्व, दानादि माहात्म्य, द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शुक्ल एकम् तिथि का क्षय...
- दि. 17 रम्भा तृतीया व्रत, महाराणा प्रताप जयन्ती
- दि. 22 मेला क्षीर भवानी (काश्मीर)
- दि. 24 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शुक्ल दशमी - श्री गंगा स्नान
- दि. 25 निर्जला एकादशी व्रत
- दि. 27 शनि प्रदोष व्रत, वट सावित्री व्रत शुरु
- दि. 29 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा, स.ना. व्रत, सन्त कबीर जयन्ती
- दि. 30 आषाढ़ कृष्ण पक्ष प्रारम्भ

भद्रा काल

दि. 03	08:12 से 21:22 मिंट तक	दि. 18	08:19 से 18:59 मिंट तक
दि. 06	26:42 मिंट से	दि. 21	15:21 से 27:31 तक
दि. 07	15:04 मिंट तक	दि. 25	07:12 से 20:10 तक
दि. 10	13:47 से 24:58 मिंट तक	दि. 28	27:07 मिंट से
दि. 13	16:08 से 26:14 मिंट तक	दि. 29	16:17 मिंट तक

पंचक

दिनांक 06 शनिवार सायं 19:04 मिनट से प्रारम्भ
दिनांक 11 गुरुवार प्रातः 08:17 मिंट पर समाप्त

विक्रमी संवत् 2083 ज्येष्ठ प्रविष्टा 18 द्वितीय (अधिक) ज्येष्ठ कृष्ण एकम् सोमवार से आषाढ़ प्र. 16, आषाढ़ कृ. एकम् मंगलवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
	1 ज्येष्ठ प्र.18 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. एकम्	2 ज्येष्ठ प्र.19 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. द्वितीया	3 ज्येष्ठ प्र.20 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. तृतीया	4 ज्येष्ठ प्र.21 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. चतुर्थी	5 ज्येष्ठ प्र.22 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. पंचमी	6 ज्येष्ठ प्र.23 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. षष्ठी
7 ज्येष्ठ प्र.24 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. सप्तमी	8 ज्येष्ठ प्र.25 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. अष्टमी	9 ज्येष्ठ प्र.26 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. नवमी	10 ज्येष्ठ प्र.27 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. दशमी	11 ज्येष्ठ प्र.28 द्वितीय (अधिक) ज्येष्ठ कृ. पुरुषोत्तमा एकादशी व्रत	12 ज्येष्ठ प्र.29 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. द्वादशी	13 ज्येष्ठ प्र.30 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. त्रयोदशी
14 ज्येष्ठ प्र.31 द्वितीय(अधिक) ज्येष्ठ कृ. त्रयोदशी	15 आषाढ़ प्र.01 द्वितीय (अधिक) ज्येष्ठ कृष्ण सोमवती अमावस, एकम का क्षय	16 आषाढ़ प्र.02 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. द्वितीया	17 आषाढ़ प्र.03 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. तृतीया	18 आषाढ़ प्र.04 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. चतुर्थी	19 आषाढ़ प्र.05 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. पंचमी	20 आषाढ़ प्र.06 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. षष्ठी
21 आषाढ़ प्र.07 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. सप्तमी	22 आषाढ़ प्र.08 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. अष्टमी	23 आषाढ़ प्र.09 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. नवमी	24 आषाढ़ प्र.10 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. दशमी	25 आषाढ़ प्र.11 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शुक्ल निर्जला एकादशी	26 आषाढ़ प्र.12 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. द्वादशी	27 आषाढ़ प्र.13 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. त्रयोदशी
28 आषाढ़ प्र.14 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. चतुर्दशी	29 आषाढ़ प्र.15 द्वितीय (शुद्ध) ज्येष्ठ शु. पूर्णिमा	30 आषाढ़ प्र.16 आषाढ़ कृष्ण एकम्		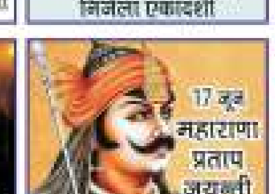		

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

जुलाई 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990

हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391

Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com

निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

श्रावण मास (सौन महीना)

सन् 2026 की 16 जुलाई गुरुवार को कर्क/श्रावण संक्रान्ति पर्व होगा। वर्षा ऋतु के कारण यह श्रावण महीना भगवान् आशुतोष शिवशंकर जी का प्रिय महीना है। जिसमें हर सोमवार एवम् मंगलवार का महत्व बतलाया गया है। भगवान् आशुतोष के सर्वप्रिय सौर-चान्द्र महीने भर में व्रतीय भक्तजनों के लिए सोमवार 20, 27 जुलाई तथा 3, 10, 17 तथा 24 अगस्त की तारीखों को आ रहे हैं। ध्यान रहे कि देवाधिदेव महादेव आशुतोष भगवान् शिव शंकर सोमवार को व्रत करने वाले भक्तजनों को उनकी लक्ष्यप्राप्ति करवाकर अंत में उन्हें शिवधाम में ही स्थान दे देते हैं। जुलाई 29 को आषाढ़ी पूर्णिमा एवं गुरु पूर्णिमा होने के कारण सभी लोग अपने-अपने गुरुजनों का पूजन करते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

अमरनाथ यात्रा कश्मीर प्रदेश एवं बुड्ढा अमरनाथ पुंछ वाले स्थल हिन्दुओं के प्रमुख तीर्थस्थलों में से हैं। कश्मीर में अमरनाथ गुफ़ा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 11 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। गुफ़ा 11 मीटर ऊँची है। अमरनाथ गुफ़ा भगवान् शिव के प्रमुख धार्मिक एवं पवित्र स्थलों में से एक है। अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थराज भी कहा जाता है, क्योंकि यहीं पर भगवान् शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था। जिसे वहां पर उपस्थित पक्षियों तक ने सुनकर अमरत्व प्राप्त किया हुआ है। यहाँ की प्रमुख विशेषता पवित्र गुफ़ा में बर्फ से प्राकृतिक शिवलिंग का निर्मित होना है। प्राकृतिक हिम से निर्मित होने के कारण इसे 'स्वयंभू हिमानी शिवलिंग' भी कहते हैं। आषाढ़ पूर्णिमा से यात्रियों का तांता शुरु होकर रक्षाबंधन तक पूरे सावन महीने में होने वाले पवित्र हिमलिंग दर्शन के लिए लाखों लोग यहां आते हैं। गुफ़ा की परिधि लगभग डेढ़ सौ फुट है और इसमें ऊपर से बर्फ़ के पानी की बूँदें जगह-जगह टपकती रहती हैं। वहीं पर एक ऐसी जगह है, जिसमें टपकने वाली हिम बूँदों से लगभग दस फुट ऊँचा शिवलिंग बनता है। चन्द्रमा के घटने-बढ़ने के साथ-साथ इस 'बर्फ़ानी शिवलिंग' का आकार भी घटता-बढ़ता रहता है। श्रावण पूर्णिमा को यह अपने पूरे आकार में आ जाता है और अमावस्या तक धीरे-धीरे छोटा होता चला जाता है। आश्चर्य की बात यही है कि यह शिवलिंग ठोस बर्फ़ का बना होता है, जबकि गुफ़ा में आमतौर पर कच्ची बर्फ़ ही होती है जो हाथ में लेते ही भुरभुरा जाती है। मूलत: अमरनाथ शिवलिंग से कई फुट दूर श्रीगणेश, भैरव और पार्वती के अलग-अलग हिमखंड दिखाई देते हैं। इस पवित्र गुफ़ा में जितने मनोयोग से श्रद्धालु, भक्त 'हिम शिवलिंगस्वरूप' आशुतोष भगवान् से जो भी वरदान मांगते हैं, वे अवश्यमेव भगवान् आशुतोष की कृपा से पूर्ण हो जाते हैं। पुंछ से पहले मण्डी वाले उपरोक्त स्थल पर भी भगवान् शिवलिंग रूप में न होकर सपाट चौड़ी शिला के रूप में विराजमान हैं।

जुलाई 2026

सूर्य उत्तर-दक्षिणायन, वर्षा ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

दि. 02 ऋषभ नाथ जयंती (जैन)
दि. 03 श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 22:05 मिंट पर
दि. 10 श्री योगिनी एकादशी व्रत (स्मार्त) एकादशी तिथि का क्षय
दि. 11 आषाढ़ कृष्ण द्वादशी, श्री योगिनी एकादशी व्रत (वैष्णव)
दि. 12 प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत, बृहस्पति ग्रह का बुढ़ापा शुरु 19:27 पर
दि. 14 आषाढ़ कृष्ण भौमवती अमावस
दि. 15 आषाढ़ शुक्ल एकम् तिथि एवं आषाढ़ शुक्ल पक्ष शुरु
बृहस्पति 19:27 पर पश्चिम में अस्त, गुप्त नवरात्र प्रारम्भ
दि. 16 रथ यात्रोत्सव (श्री जगन्नाथपुरी)
23:39 मिंट पर सूर्य मिथुन से कर्क राशि में श्रावण संक्रान्ति 30 मु.
पर्व पुण्य काल सायं 05:15 से अगले दिन प्रात: 06:03 मिंट तक
दि. 17 आषाढ़ शुक्ल चतुर्थी तिथि का क्षय.....
दि. 19 स्कन्द (कुमार) षष्ठी
दि. 21 आषाढ़ शुक्ल दुर्गाष्टमी
दि. 22 भद्रली नवमी मेला क्षीर भवानी (कश्मीर) एवम् गुप्त नवरात्र समाप्त
दि. 25 हरिशयनी एकादशी व्रत, चौमासा-नियम-प्रारम्भ
दि. 26 प्रदोष व्रत
दि. 29 आषाढ़ी-गुरु-पूर्णिमा, श्री स.ना.व्रत
दि. 30 श्रावण कृष्ण पक्ष प्रारम्भ दि. 31 अशून्यशयन व्रत

भद्रा काल

दि. 02	22:30 मिंट से	दि. 12	22:31 मिंट से	दि. 24	22:24 मिंट से
दि. 03	11:21 मिंट तक	दि. 13	08:41 मिंट तक	दि. 25	11:35 मिंट तक
दि. 06	13:48 से 25:37 तक	दि. 17	17:36 से 28:43 मिंट तक	दि. 28	18:19 मिंट से
दि. 09	21:28 मिंट से	दि. 20	28:03 मिंट से	दि. 29	07:13 मिंट तक
दि. 10	08:17 मिंट तक	दि. 21	16:40 मिंट तक		

पंचक

दिनांक 03 शुक्रवार को 24:49 मिंट पर पंचक प्रारम्भ
दिनांक 08 बुधवार को 16:00 मिंट पर पंचक समाप्त
दिनांक 15 बुधवार को 19:27 मिंट पर गुरु पश्चिम दिशा में अस्त होगा
दिनांक 31 शुक्रवार को प्रात: 06:38 मिंट पर पंचक प्रारम्भ

विक्रमी संवत् 2083 आषाढ़ प्रविष्टा 17 एवं आषाढ़ कृष्ण एकम् बुधवार से श्रावण प्रविष्टा 16 एवं श्रावण कृष्ण द्वितीया शुक्रवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
	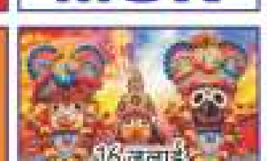 16 जुलाई रथ यात्रा (जगन्नाथ पुरी)	29 जुलाई गुरु पूर्णिमा	1 आषाढ़ प्र.17 आषाढ़ कृष्ण एकम्	2 आषाढ़ प्र.18 आषाढ़ कृष्ण द्वितीया	3 आषाढ़ प्र.19 आषाढ़ कृष्ण तृतीया	4 आषाढ़ प्र.20 आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी
5 आषाढ़ प्र.21 आषाढ़ कृष्ण पंचमी	6 आषाढ़ प्र.22 आषाढ़ कृष्ण षष्ठी	7 आषाढ़ प्र.23 आषाढ़ कृष्ण सप्तमी	8 आषाढ़ प्र.24 आषाढ़ कृष्ण अष्टमी	9 आषाढ़ प्र.25 आषाढ़ कृष्ण नवमी	10 आषाढ़ प्र.26 आषाढ़ कृष्ण दशमी, एकादशी का क्षय...	11 आषाढ़ प्र.27 आषाढ़ कृष्ण द्वादशी
12 आषाढ़ प्र.28 आषाढ़ कृष्ण त्रयोदशी	13 आषाढ़ प्र.29 आषाढ़ कृष्ण चतुर्दशी	14 आषाढ़ प्र.30 आषाढ़ कृ. भौमवती अमावस	15 आषाढ़ प्र.31 आषाढ़ शुक्ल एकम्	16 श्रावण प्र.01 आषाढ़ शुक्ल द्वितीया	17 श्रावण प्र.02 आषाढ़ शुक्ल तृतीया, चतुर्थी का क्षय	18 श्रावण प्र.03 आषाढ़ शुक्ल पंचमी
19 श्रावण प्र.04 आषाढ़ शुक्ल षष्ठी	20 श्रावण प्र.05 आषाढ़ शुक्ल सप्तमी	21 श्रावण प्र.06 आषाढ़ शुक्ल अष्टमी	22 श्रावण प्र.07 आषाढ़ शुक्ल नवमी	23 श्रावण प्र.08 आषाढ़ शुक्ल नवमी	24 श्रावण प्र.09 आषाढ़ शुक्ल दशमी	25 श्रावण प्र.10 आषाढ़ शु. एकादशी
26 श्रावण प्र.11 आषाढ़ शुक्ल द्वादशी	27 श्रावण प्र.12 आषाढ़ शुक्ल त्रयोदशी	28 श्रावण प्र.13 आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी	29 श्रावण प्र.14 आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा	30 श्रावण प्र.15 श्रावण कृष्ण एकम्	31 श्रावण प्र.16 श्रावण कृष्ण द्वितीया	

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

अगस्त 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990
हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391
Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com
निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

रक्षाबन्धन पर्व

रक्षाबन्धन का पवित्रोत्सव श्रावण पूर्णिमा को मनाया जाता है; जो इस वर्ष शुक्रवार 28 अगस्त 2026 को मनाया जायेगा। कश्मीर प्रदेश में विराजमान हिमशिवलिंग एवं पुंछ के मण्डी स्थल में सपाट हिमरूप में विराजित बुड्ढा अमरनाथ जी के श्रद्धालु भक्तजन दर्शन कर पुण्यलाभ अर्जित करते हैं। इसी पवित्र पर्व पर देववाणी संस्कृत दिवस पर्व विश्वभर के विभिन्न स्थलों में मनाया जाता है तथा त्रिविधितापहारिणी वेदमाता श्रीगायत्री जयन्ती का पर्व भी मनाया जाता है। इसी उपलक्ष्य में हरिद्वार स्थित 'जम्मू यात्री भवन यज्ञशाला' में प्रतिदिन आहुतियाँ दी जाती हैं:-

ॐ गं गणपतये नमः स्वाहा... ॐ के साथ गायत्री मन्त्र जपते हुए स्वाहा...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय स्वाहा... ॐ नमश्शिवाय स्वाहा...

साथ ही पंडित जी श्रीमद्भगवत्गीता के 2 श्लोकों पर प्रतिदिन विस्तार पूर्वक व्याख्यान देते हैं।

4 सितम्बर अर्ध रात्रि को रोहिणी नक्षत्र होने से श्री कृष्ण जयन्ती योग बनने के कारण इस बार श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रत पर्व का विशेष महत्त्व है, भविष्यपुराण तथा निर्णयसिन्धु आदि ग्रन्थानुसार शुक्रवार, 4 सितम्बर 2026 को 'श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व' हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाएगा।

अगस्त 2026

सूर्य दक्षिणायन, वर्षा-शरद्-ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

- दि. 01 लोकमान्य तिलक स्मरणोत्सव
- दि. 02 श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21:30 मिंट पर
- दि. 03 श्रावण सोमवार व्रत शुरु, नागपंचमी (राजस्थान, बंगाल)
- दि. 09 कामिका एकादशी व्रत, गुरु 21:54 मिंट पर पूर्व में उदय
- दि. 10 सोम प्रदोष व्रत, त्रयोदशी तिथि का क्षय...
- दि. 11 श्रावण शिवरात्रि व्रत
- दि. 12 श्रावण हरियाली अमावस, 21:54 मिंट पर गुरु बृहस्पति का बचपन समाप्त
- दि. 13 श्रावण शुक्ल पक्ष शुरु मेला चिन्तपूर्णी (हिमाचल में शुरु)
- दि. 15 मधुस्रवा हरियाली सिंधारा तीज-भारत स्वतंत्रता दिवस (80वां)
- दि. 16 दूर्वा गणपति व्रत, वरद चतुर्थी
- दि. 17 सूर्य कर्क से प्रातः 07:58 मिंट पर सिंह राशि में 30 मुहूर्ति भाद्रपद संक्रान्ति पु.का. सूर्योदय से दोपहर 14:22 तक नागपंचमी व्रत, श्री कल्की जयंती
- दि. 19 गोस्वामी श्री तुलसीदास जयन्ती
- दि. 20 श्री दुर्गाष्टमी, माता चिन्तपूर्णी - चामुंडा देवी मेला समाप्त (हि.प्र.) दुर्गाष्टमी व्रत
- दि. 23 पवित्रा एकादशी व्रत (स्मार्त) शरद् ऋतु प्रारम्भ
- दि. 24 पवित्रा एकादशी व्रत (वैष्णव)
- दि. 25 भौम प्रदोष व्रत
- दि. 27 श्री सत्यनारायण व्रत, शुक्ल यजुर्वेदी, अथर्ववेदी उपाकर्म
- दि. 28 श्रावण पूर्णिमा, रक्षाबन्धन, श्रावणी उपाकर्म, श्री गायत्री जयन्ती, दर्शन श्री अमरनाथ गुफा (कश्मीर) व बुड्ढा अमरनाथ-पुँछ, संस्कृत दिवस पर्व
- दि. 29 भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, गायत्री जपम्
- दि. 31 श्रीगणेश (बहुला) चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय 20:31 मिंट पर, कज्जली तृतीया पर्व

भद्रा काल

दि. 01 10:50 से 23:08 मिंट तक	दि. 10 28:55 मिंट से	दि. 20 08:20 मिंट तक
दि. 04 22:04 मिंट से	दि. 11 15:25 मिंट तक	दि. 23 15:10 से 28:19 मिंट तक
दि. 05 09:24 मिंट तक	दि. 15 29:11 मिंट से	दि. 27 09:09 से 21:29 मिंट तक
दि. 07 27:19 मिंट से	दि. 16 16:53 मिंट तक	दि. 30 21:15 मिंट से
दि. 08 14:00 मिंट तक	दि. 19 19:20 मिंट से	दि. 31 08:52 मिंट तक

पंचक

दि. 04 मंगलवार रात्रि 21:54 पर समाप्त	दि. 27 गुरुवार को 13:36 मिंट पर पंचक प्रारम्भ
दि. 09 गुरु बृहस्पति 21:54 पर पूर्व में उदय	दि. 31 सोमवार को 27:24 मिंट पर पंचक समाप्त

विक्रमी संवत् 2083 श्रावण प्रविष्टा 17 एवं श्रावण कृष्ण तृतीया शनिवार से भाद्रपद प्रविष्टा 15 एवं भाद्रपद कृष्ण तृतीया सोमवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
30 भाद्रपद प्र.14 भाद्रपद कृ. द्वितीया	31 भाद्रपद प्र.15 भाद्रपद कृ. तृतीया					1 श्रावण प्र.17 श्रावण कृष्ण तृतीया
2 श्रावण प्र.18 श्रावण कृष्ण चतुर्थी	3 श्रावण प्र.19 श्रावण कृष्ण पंचमी	4 श्रावण प्र.20 श्रावण कृष्ण षष्ठी	5 श्रावण प्र.21 श्रावण कृष्ण सप्तमी	6 श्रावण प्र.22 श्रावण कृष्ण अष्टमी	7 श्रावण प्र.23 श्रावण कृष्ण नवमी	8 श्रावण प्र.24 श्रावण कृष्ण दशमी
9 श्रावण प्र.25 श्रावण कृष्ण एकादशी	10 श्रावण प्र.26 श्रावण कृष्ण द्वादशी त्रयोदशी का क्षय...	11 श्रावण प्र.27 श्रावण कृष्ण चतुर्दशी	12 श्रावण प्र.28 श्रावण कृष्ण हरियाली अमावस	13 श्रावण प्र.29 श्रावण शुक्ल एकम्	14 श्रावण प्र.30 श्रावण शुक्ल द्वितीया	15 श्रावण प्र.31 श्रावण शुक्ल तृतीया
16 श्रावण प्र.32 श्रावण शुक्ल चतुर्थी	17 भाद्रपद प्र.01 श्रावण शुक्ल पंचमी	18 भाद्रपद प्र.02 श्रावण शुक्ल षष्ठी	19 भाद्रपद प्र.03 श्रावण शुक्ल सप्तमी	20 भाद्रपद प्र.04 श्रावण शुक्ल अष्टमी	21 भाद्रपद प्र.05 श्रावण शुक्ल नवमी	22 भाद्रपद प्र.06 श्रावण शुक्ल दशमी
23 भाद्रपद प्र.07 श्रावण शुक्ल एकादशी	24 भाद्रपद प्र.08 श्रावण शुक्ल द्वादशी पवित्रा एकादशी व्रत (वैष्णव)	25 भाद्रपद प्र.09 श्रावण शुक्ल द्वादशी	26 भाद्रपद प्र.10 श्रावण शुक्ल त्रयोदशी	27 भाद्रपद प्र.11 श्रावण शुक्ल चतुर्दशी	28 भाद्रपद प्र.12 भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा रक्षाबन्धन पर्व	29 भाद्रपद प्र.13 भाद्रपद कृ. एकम्

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

सितंबर 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990
हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391
Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com
निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

महालय श्राद्धपक्ष

26 सितम्बर पूर्णिमा शनिवार से महालय श्राद्ध पक्ष शुरू होकर 10 अक्तूबर 2026 शनिवार सर्वपितृ विसर्जन अमावस को सायं पार्वण श्राद्धपक्ष समाप्त होगा। 'जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट' के निर्णयानुसार पितृपक्ष में प्रति वर्ष की तरह होने वाले कार्यक्रमों के अनुसार हरिद्वार स्थित जम्मू यात्री भवन के तत्त्वावधान में ब्रह्लीन पितरों के निमित्त प्रोष्ठपदी/महालय पार्वण श्राद्ध पक्ष 26 सितम्बर 2026 शनिवार को भाद्रपद पूर्णिमा के दिन प्रोष्ठपदी/महालय श्राद्ध प्रारम्भ हो जाएंगे। 25 सितम्बर 2026 शुक्रवार को अनन्त चतुर्दशी का व्रत मनाया जाएगा। 10 अक्तूबर 2026 अमावस को पितृविसर्जन के साथ महालय श्राद्ध पक्ष की समाप्ति होगी। इसीप्रकार शेष पार्वण-श्राद्ध द्वितीया, तृतीया तिथि से अमावस तिथि के पार्वण श्राद्ध-तर्पण आदि विधि-विधान से गंगा तट पर प्रतिदिन पितरों की आशीर्वाद प्राप्ति के लिए पंडित लोगों के निर्देश के अनुसार सम्बन्धित व्यक्तियों द्वारा विधि-विधान से श्री गंगा तट पर 11.30 से 12.30 तक श्राद्ध तर्पणादि किए जाएंगे तथा पहले की ही तरह अमावस के दिन देश की सुरक्षा के लिए आत्म-बलिदान वाले वीरों के प्रति भी पिण्डदान, तर्पणादि सहित श्रद्धांजलि दी जाती है। एतदर्थ सम्बन्धित परिवार सादर आमन्त्रित होते हैं।

विशेष:- यदि कोई व्यक्ति समय अभाव के कारण हरिद्वार पहुंचने में असमर्थ हों तो स्वर्गीय प्राणी का नाम एवम् अपने सम्बन्ध नाम व गोत्र के साथ कार्यालय को अवश्य लिखें। आपके द्वारा दक्षिणा के रूप में दी गई राशि 1500 रु. में से गंगा तट पर सामग्री सहित पिण्ड दान कृत्य करवाने वाले पंडित की दक्षिणा सहित भोजन करवाने पर खर्च की जाएगी।

सितम्बर 2026

सूर्य दक्षिणायन, शरद् ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

- दि. 02 चन्दन षष्ठी व्रत, चन्द्रोदय 21:42 मिंट पर भाद्रपद कृष्ण षष्ठी तिथि का क्षय..
- दि. 04 श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जयन्ती अगस्त्य उदय
- दि. 05 श्री गुग्गा नवमी, गोकुलाष्टमी जन्मोत्सव
- दि. 07 अजा एकादशी व्रत, बछड़ा व्रत पूजा
- दि. 08 वत्स द्वादशी, भौम प्रदोष व्रत
- दि. 09 मासिक शिवरात्रि व्रत, कैलाश यात्रा (भद्रवाह)
- दि. 10 कुशाग्रहणी अमावस, पितृकार्येषु अमावस
- दि. 11 भाद्रपद कृष्ण अमावस देवकार्येषु
- दि. 12 भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, सामवेदिउपाकर्म
- दि. 13 श्री वराह जयन्ती
- दि. 14 सिद्धि विनायक व्रत, कलंक चतुर्थी, चन्द्रास्त 20:10 मिंट पर
- दि. 15 ऋषि पंचमी व्रत, संवत्सरी महापर्व (जैन)
- दि. 17 सूर्य षष्ठी व्रत, सूर्य कन्या में प्रातः 07:52 पर 30 मु. असूज संक्रान्ति का पुण्य काल दोपहर 14:16 तक रहेगा
- दि. 18 श्री महालक्ष्मी व्रतारम्भ
- दि. 19 श्री राधाष्टमी व्रत, दधीचि जयन्ती
- दि. 20 श्रीचन्द्रनवमी-उदासीन सम्प्रदाय
- दि. 22 पद्मा एकादशी व्रत
- दि. 23 श्री वामन जयन्ती
- दि. 24 प्रदोष व्रत
- दि. 25 अनन्त चतुर्दशी व्रत
- दि. 26 श्री सत्यनारायण व्रत, प्रोष्ठपदी महालय श्राद्ध प्रारम्भ, पूर्णिमा का श्राद्ध
- दि. 27 असूज कृष्ण पक्ष श्राद्ध (पितृपक्ष) प्रारम्भ एकम् तिथि का श्राद्ध।
- दि. 28 द्वितीया का श्राद्ध
- दि. 29 तृतीया का श्राद्ध, अङ्गारकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय 19:41 मिंट पर
- दि. 30 चतुर्थी एवं पंचमी तिथियों का श्राद्ध

भद्रा काल

दि. 02 28:27 मिंट से	दि. 18 13:02 से 26:15 मिंट तक
दि. 03 15:27 मिंट तक	दि. 22 08:53 से 21:44 मिंट तक
दि. 06 08:42 से 19:30 तक	दि. 25 23:07 मिंट से
दि. 09 12:31 से 23:33 तक	दि. 26 10:43 मिंट तक
दि. 14 19:26 से	दि. 28 30:13 मिंट से
दि. 15 07:45 मिंट तक	दि. 29 17:11 मिंट तक

पंचक

दिनांक 23 बुधवार को 21:57 मिंट पर पंचक प्रारम्भ
दिनांक 28 सोमवार को 10:17 मिंट पर समाप्त है

विक्रमी संवत् 2083 भाद्रपद प्रविष्टा 16 एवं भाद्रपद कृष्ण चतुर्थी मंगलवार से असूज प्रविष्टा 14 एवं असूज कृष्ण चतुर्थी बुधवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
23 सितम्बर वामनजयन्ती	26 सितम्बर श्राद्ध प्रारम्भ	1 भाद्रपद प्र.16 भाद्रपद कृष्ण चतुर्थी	2 भाद्रपद प्र.17 भाद्रपद कृष्ण पंचमी षष्ठी तिथि का क्षय...	3 भाद्रपद प्र.18 भाद्रपद कृष्ण सप्तमी	4 भाद्रपद प्र.19 भाद्रपद कृष्ण जन्माष्टमी	5 भाद्रपद प्र.20 भाद्रपद कृष्ण नवमी
6 भाद्रपद प्र.21 भाद्रपद कृष्ण दशमी	7 भाद्रपद प्र.22 भाद्रपद कृ. अजा एकादशी	8 भाद्रपद प्र.23 भाद्रपद कृ. द्वादशी	9 भाद्रपद प्र.24 भाद्रपद कृ. त्रयोदशी	10 भाद्रपद प्र.25 भाद्रपद कृ. चतुर्दशी	11 भाद्रपद प्र.26 भाद्रपद कृ. अमावस	12 भाद्रपद प्र.27 भाद्रपद शुक्ल एकम्
13 भाद्रपद प्र.28 भाद्रपद शुक्ल द्वितीया	14 भाद्रपद प्र.29 भाद्रपद शुक्ल तृतीया चतुर्थी तिथि का क्षय	15 भाद्रपद प्र.30 भाद्रपद शु. ऋषी पंचमी	16 भाद्रपद प्र.31 भाद्रपद शुक्ल पंचमी	17 असूज प्र.01 भाद्रपद शुक्ल षष्ठी	18 असूज प्र.02 भाद्रपद शुक्ल सप्तमी	19 असूज प्र.03 भाद्रपद शुक्ल अष्टमी
20 असूज प्र.04 भाद्रपद शुक्ल नवमी	21 असूज प्र.05 भाद्रपद शुक्ल दशमी	22 असूज प्र.06 भाद्रपद शुक्ल एकादशी	23 असूज प्र.07 भाद्रपद शुक्ल द्वादशी	24 असूज प्र.08 भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी	25 असूज प्र.09 भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी	26 असूज प्र.10 भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा
27 असूज प्र.11 असूज कृष्ण एकम्	28 असूज प्र.12 असूज कृष्ण द्वितीया	29 असूज प्र.13 असूज कृष्ण तृतीया	30 असूज प्र.14 असूज कृष्ण चतुर्थी	04 सितम्बर श्री कृष्ण जन्माष्टमी	14 सितम्बर गणेश चतुर्थी	19 सितम्बर राधा अष्टमी

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

अक्तूबर 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990
हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391
Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com
निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

शारदीय नवरात्र

शारदीय नवरात्र पर्व 11 अक्तूबर, 2026 रविवार से शुरू होकर 20 अक्तूबर, 2026 मंगलवार महानवमी पर कन्या पूजन के उपरांत प्रदोष काल में दशहरा पर्व भी इसी दिन मनाया जाएगा तथा 21 अक्तूबर को भरत मिलाप पर्व मनाया जाएगा। अक्तूबर 29 को गुरुवार के दिन रात्रि 20/10 मिनट चन्द्रोदय के साथ सुहागिनें करवा चौथ व्रत रूपी गणेश वन्दना के साथ चन्द्रमा देवता को अर्घ्य प्रदान कर अपने लम्बे सुहाग के लिए प्रार्थना कर बड़ों की शुभाशीष लेती हैं। प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी 'जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट' से संबद्ध तथा समूचे भारत एवं विश्व की जनता-जनार्दन की पारिवारिक, शारीरिक, व्यापारिक तथा आध्यात्मिक सुख-समृद्धि के लिए 01 नवम्बर 2026 रविवार को अहोई अष्टमी व्रत धूम-धाम से मनाया जाएगा। 07 नवम्बर शनिवार हनुमान् जयन्ती उत्तर भारत में तथा धन्वन्तरी जयन्ती भी धूम धाम से मनाई जाएगी।

अक्तूबर 2026

सूर्य दक्षिणायन, शरद्-हेमन्त ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

दि. 01 चन्द्रषष्ठी व्रत, षष्ठी तिथि का श्राद्ध
दि. 02 महात्मा गांधी जयन्ती, श्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती, सप्तमी तिथि का श्राद्ध
दि. 03 श्रीमहालक्ष्मी व्रत समापन, अष्टमी तिथि का श्राद्ध, अष्टमी तिथि का क्षय...
दि. 04 असूज कृष्ण नवमी सौभाग्यवतीनां श्राद्ध, नवमी का श्राद्ध
दि. 05 असूज कृष्ण दशमी, दशमी का श्राद्ध
दि. 06 इन्दिरा एकादशी व्रत, एकादशी का श्राद्ध
दि. 07 असूज कृष्ण द्वादशी, संन्यासिनां श्राद्ध, द्वादशी का श्राद्ध
दि. 08 त्रयोदशी श्राद्ध, प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत
दि. 09 शस्त्र-विष-दुर्घटनादि से मृतों का श्राद्ध शुक्र का बुढ़ापा शुरू 17:56 पर
दि. 10 चतुर्दशी/अमावस तिथि का श्राद्ध, असूज अमावस, सर्वपितृ श्राद्ध, पितृ विसर्जन, महालय अमावस
दि. 11 असूज शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, शारदीय नवरात्रारम्भ घटस्थापन श्रेष्ठ समय प्रातः 10:08 मिंट के बाद, अभिजित् मुहूर्त में श्रेयस्कर है
दि. 12 असूज शुक्ल द्वितीया सोमवार को वक्री शुक्र सायं 17:56 पर पश्चिम दिशा में अस्त
दि. 15 असूज शुक्ल पंचमी उपाङ्ग ललिता व्रत
दि. 16 असूज शुक्ल षष्ठी सरस्वती आवाहन
दि. 17 असूज शुक्ल सप्तमी शनिवार को सूर्य कन्या से 19:50 मिंट पर तुला राशि में, 30 मु. कत्तक संक्रान्ति का पुण्य काल दोपहर 13:26 के बाद
दि. 19 श्री दुर्गाष्टमी व्रत, पूजा एवं होम हेतु, सरस्वती विसर्जन
दि. 20 महानवमी, कन्यापूजन, नवरात्र समाप्त, विजया दशमी (दशहरा) आयुध-शस्त्र पूजनादि
दि. 21 भरत मिलाप, नवरात्र पारणादि
दि. 22 पापांकुशा एकादशी व्रत
दि. 23 प्रदोष व्रत, हेमन्त ऋतु प्रारम्भ
दि. 25 शरद् पूर्णिमा व्रत, श्री सत्यनारायण व्रत
दि. 26 असूज पूर्णिमा, कत्तक स्नान नियमप्रारम्भ, महर्षि वाल्मीकि जयन्ती
दि. 27 कत्तक कृष्ण पक्ष प्रारम्भ कत्तक कृष्ण एकम्, कत्तक कृष्ण द्वितीया तिथि का क्षय...
दि. 28 बुधवार कत्तक कृष्ण तृतीया वक्री शुक्र 27:15 मिंट पर पूर्व दिशा में उदित
दि. 29 करवाचौथ व्रत चन्द्रोदय 20:10 मिंट पर
दि. 31 शनिवार कत्तक कृष्ण षष्ठी शुक्र का बचपन समाप्त हुआ, स्कन्द षष्ठी व्रत

भद्रा काल

दि. 02 10:16 से 21:08 मिंट तक
दि. 05 15:01 से 26:08 मिंट तक
दि. 08 22:17 मिंट से
दि. 09 09:57 मिंट तक
दि. 14 12:21 से 25:14 मिंट तक
दि. 18 08:29 से 21:41 मिंट तक
दि. 21 26:31 मिंट से
दि. 22 14:49 मिंट तक
दि. 25 11:57 से 22:50 मिंट तक
दि. 28 14:38 से 25:07 मिंट तक
दि. 31 16:58 से 27:55 मिंट तक

पंचक

दिनांक 21 बुधवार प्रातः 07:01 मिनट पर प्रारम्भ
दिनांक 25 रविवार को 19:22 मिंट पर पंचक समाप्त होंगे
दिनांक 12 सोमवार को 17:56 पर पश्चिम दिशा में शुक्र अस्त होगा और शुक्र 28 तारीख बुधवार को 27:15 पर पूर्व दिशा में उदित होगा।

विक्रमी संवत् 2083 असूज प्रविष्टा 15 एवं असूज कृष्ण पंचमी गुरुवार से कत्तक प्रविष्टा 15 एवं कत्तक कृष्ण षष्ठी शनिवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
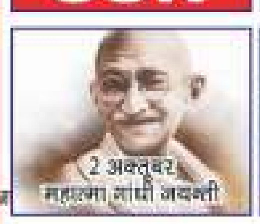 2 अक्तूबर महात्मा गांधी जयन्ती	11 सितम्बर शरद् नवरात्र प्रारंभ	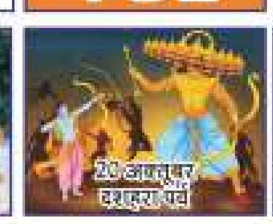 20 अक्तूबर दशहरा पर्व	31 अक्तूबर सरदार पटेल जयंती	1 असूज प्र.15 असूज कृष्ण पंचमी	2 असूज प्र.16 असूज कृष्ण षष्ठी	3 असूज प्र.17 असूज कृष्ण सप्तमी अष्टमी तिथि का क्षय...
4 असूज प्र.18 असूज कृष्ण नवमी	5 असूज प्र.19 असूज कृष्ण दशमी	6 असूज प्र.20 इन्दिरा एकादशी व्रत	7 असूज प्र.21 असूज कृष्ण द्वादशी	8 असूज प्र.22 असूज कृष्ण त्रयोदशी	9 असूज प्र.23 असूज कृष्ण चतुर्दशी	10 असूज प्र.24 असूज कृष्ण महालय अमावस
11 असूज प्र.25 असूज शुक्ल एकम्	12 असूज प्र.26 असूज शुक्ल द्वितीया	13 असूज प्र.27 असूज शुक्ल तृतीया	14 असूज प्र.28 असूज शुक्ल चतुर्थी	15 असूज प्र.29 असूज शुक्ल पंचमी	16 असूज प्र.30 असूज शुक्ल षष्ठी	17 कत्तक प्र.01 असूज शुक्ल सप्तमी
18 कत्तक प्र.02 असूज शुक्ल सप्तमी	19 कत्तक प्र.03 असूज शुक्ल अष्टमी	20 कत्तक प्र.04 असूज शुक्ल महानौमी	21 कत्तक प्र.05 असूज शुक्ल दशमी	22 कत्तक प्र.06 असूज शुक्ल एकादशी	23 कत्तक प्र.07 असूज शुक्ल द्वादशी	24 कत्तक प्र.08 असूज शुक्ल त्रयोदशी
25 कत्तक प्र.09 असूज शुक्ल चतुर्दशी	26 कत्तक प्र.10 असूज शुक्ल पूर्णिमा	27 कत्तक प्र.11 कत्तक कृष्ण एकम्, द्वितीया तिथि का क्षय...	28 कत्तक प्र.12 कत्तक कृष्ण तृतीया	29 कत्तक प्र.13 कत्तक कृष्ण चतुर्थी	30 कत्तक प्र.14 कत्तक कृष्ण पंचमी	31 कत्तक प्र.15 कत्तक कृष्ण षष्ठी

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

नवम्बर 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990

हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391

Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com

निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

दीपावली

प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी जम्मू यात्री भवन के ट्रस्टीगण, कर्मचारी एवं उपस्थित यात्रियों सहित दीपावली महोत्सव के उपलक्ष्य में धनत्रयोदशी से सोमवती अमावस तक चलने वाले पर्व समूह को हरिद्वार स्थित 'जम्मू यात्री भवन' में मनाया जाएगा। इसी उपलक्ष्य में इसी महीने सर्वशक्तिमान् श्री गणेश सहित शक्तिस्वरूपा जगज्जननी महासरस्वती, महालक्ष्मी एवं महाकाली से करबद्ध प्रार्थना करते हुए सभी को पाँच दिन तक चलने वाले दीपावली महापर्व की शुभकामनाएँ देते हैं। इस बार दीपावली शुभ पूजन 08 नवम्बर, 2026 रविवार को सायं 05 बजकर 30 मिनट पर रात्रि अथवा सूर्यास्त के बाद 08 बजकर 52 मिनट तक आप निस्सन्देह होकर विधि-विधान से श्री गणेश, महालक्ष्मी एवं कुबेर जी का शास्त्रसम्मत पूजन करें। श्री सूक्त, पुरुष सूक्त व विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र का पाठ अवश्य करें। अन्नकूट-गोवर्धन पूजा व विश्वकर्मा दिवस 10 नवम्बर, मंगलवार को धूम-धाम से मनाया जाएगा। इसी प्रकार 11 नवम्बर, 2026 बुधवार को भैय्या दूज (टिक्का) का शुभ पर्व समूचे भारत में मनाया जाएगा। भैय्या दूज दिन 03:54 बजे तक शुभ एवं कल्याणकारी है। 15 नवम्बर 2026 रविवार को 'सूर्य षष्ठी पर्व' (छठ पर्व) मनाया जाएगा। 17 नवम्बर मंगलवार को श्री कृष्ण प्रिय गोपाष्टमी पर्व धूम धाम से गोशाला (वेद मन्दिर) में इस बार भी मनाया जाएगा। हार्दिक शुभकामनाएँ सभी सपरिवार स्वीकार करें।

नवम्बर 2026

सूर्य दक्षिणायन, हेमन्त ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

- दि. 01 अहोई अष्टमी व्रत (चन्द्रोदय व्यापिनी)
- दि. 05 रमा एकादशी व्रत, गो-वत्स द्वादशी
- दि. 06 प्रदोष व्रत, धन त्रयोदशी पर्व, यमप्रीत्यर्थ दीपदान
- दि. 07 हनुमान्-जयन्ती (उत्तर भारत) श्री धन्वन्तरी जयन्ती पर्व, मासिक शिवरात्रि व्रत
- दि. 08 नरक-चतुर्दशी पर्व एवं अमावस को श्री गणेश, श्री लक्ष्मी, श्री कुबेर एवं सरस्वती बही-खाता पूजन सुकर्मा पर दिन में 09:33 से 10:52 तक लाभकारी एवं दोपहर 13:31 से 14:50 तक दीपावली पूजन श्रेयस्कर है। दीपावली पूजा सायं 17:30 से 20:52 मिंट तक शुभलाभकारी रहेगी। श्री सूक्त, पुरुष सूक्त व विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।
- दि. 09 सोमवती प्रातःकालीन अमावस 12:32 मिंट तक स्नान-दानादि-हरिद्वार मेला पर्व माहात्म्य/ श्री विश्वकर्मा दिवस, निर्वाण दिवस श्री महावीर (जैन)
- दि. 10 अन्नकूट, बलिपूजा, गोवर्धन पूजा
- दि. 11 यम द्वितिया, भैय्या-दूज पर्व (टिक्का) दोपहर 15:54 बजे तक लगाना श्रेयस्कर है
- दि. 14 सौभाग्य पंचमी, ज्ञान-पंचमी, लवा-पंचमी (जैन)
- दि. 15 सूर्य-षष्ठी-पर्व (बिहार) छठ पर्व
- दि. 16 सूर्य तुला से सायं 19:42 पर वृश्चिक राशि में आने पर 30 मु. मग्घर संक्रान्ति का पु.का. दोपहर 13:18 के बाद
- दि. 17 श्री गोपाष्टमी पर्व।
- दि. 18 आमला नवमी, अक्षय कूष्माण्ड नवमी
- दि. 20 हरिप्रबोधिनी एकादशी व्रत (स्मार्त) भीष्म पंचक शुरु, एकादशी तिथि का क्षय.., तुलसी विवाह
- दि. 21 कत्तक शुक्ल द्वादशी शनिवार हरिप्रबोधिनी एकादशी व्रत (वैष्णव) चौमासा-नियम समाप्त
- दि. 22 प्रदोष व्रत
- दि. 24 कत्तक पूर्णिमा, सत्यनारायण व्रत, भीष्म पंचक समाप्त, श्री गुरुनानक देव जयन्ती, मेला छिंझ बलिदान दिवस बाबा जित्तो।
- दि. 25 मग्घर कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
- दि. 27 शुक्रवार को श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:12 मिंट पर होगा, चतुर्थी तिथि का क्षय..

भद्रा काल

दि. 03	23:30 मिंट से	दि. 17	17:13 मिंट तक	दि. 27	09:49 मिंट तक
दि. 04	11:04 मिंट तक	दि. 20	18:54 से 30:32 तक	दि. 29	25:47 मिंट से
दि. 07	10:49 से 23:09 तक	दि. 23	23:43 मिंट से	दि. 30	13:00 मिंट तक
दि. 13	07:27 से 20:43 तक	दि. 24	10:04 मिंट तक		
दि. 16	28:20 मिंट से	दि. 26	23:33 मिंट से		

पंचक

दिनांक 17 मंगलवार को 15:31 मिंट पर पंचक प्रारम्भ होंगे

दिनांक 21 शनिवार को 29:55 मिंट पर पंचक समाप्त होंगे लेकिन भीष्म पंचक 20 नवम्बर एकादशी व्रत से शुरु होकर कत्तक पूर्णिमा 24 नवम्बर को समाप्त होंगे।

विक्रमी संवत् 2083 कत्तक प्रविष्टा 16 एवं कत्तक कृष्ण सप्तमी रविवार से मग्घर प्रविष्टा 15 एवं मग्घर कृष्ण सप्तमी सोमवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
1 कत्तक प्र.16 कत्तक कृष्ण सप्तमी	**2** कत्तक प्र.17 कत्तक कृष्ण अष्टमी	**3** कत्तक प्र.18 कत्तक कृष्ण नवमी	**4** कत्तक प्र.19 कत्तक कृष्ण दशमी	**5** कत्तक प्र.20 कत्तक कृष्ण एकादशी	**6** कत्तक प्र.21 कत्तक कृष्ण द्वादशी	**7** कत्तक प्र.22 कत्तक कृष्ण त्रयोदशी
8 कत्तक प्र.23 कत्तक कृष्ण चतुर्दशी	**9** कत्तक प्र.24 कत्तक कृष्ण अमावस सोमवती अमावस	**10** कत्तक प्र.25 कत्तक शुक्ल एकम्	**11** कत्तक प्र.26 कत्तक शुक्ल द्वितीया	**12** कत्तक प्र.27 कत्तक शुक्ल तृतीया	**13** कत्तक प्र.28 कत्तक शुक्ल चतुर्थी	**14** कत्तक प्र.29 कत्तक शुक्ल पंचमी
15 कत्तक प्र.30 कत्तक शुक्ल षष्ठी	**16** मग्घर प्र.01 कत्तक शुक्ल सप्तमी	**17** मग्घर प्र.02 कत्तक शुक्ल अष्टमी	**18** मग्घर प्र.03 कत्तक शुक्ल नवमी	**19** मग्घर प्र.04 कत्तक शुक्ल नवमी	**20** मग्घर प्र.05 कत्तक शुक्ल दशमी, एकादशी का क्षय...	**21** मग्घर प्र.06 कत्तक शुक्ल द्वादशी
22 मग्घर प्र.07 कत्तक शुक्ल त्रयोदशी	**23** मग्घर प्र.08 कत्तक शुक्ल चतुर्दशी	**24** मग्घर प्र.09 कत्तक शुक्ल पूर्णिमा	**25** मग्घर प्र.10 मग्घर कृष्ण एकम्	**26** मग्घर प्र.11 मग्घर कृष्ण द्वितीया	**27** मग्घर प्र.12 मग्घर कृष्ण तृतीया चतुर्थी का क्षय...	**28** मग्घर प्र.13 मग्घर कृष्ण पंचमी
29 मग्घर प्र.14 मग्घर कृष्ण षष्ठी	**30** मग्घर प्र.15 मग्घर कृष्ण सप्तमी	08 नवम्बर महालक्ष्मी पूजा	11 नवम्बर भ्रातृदूज (टिक्का)	20 नवम्बर तुलसी विवाह	24 नवम्बर गुरु नानक जी जयन्ती	

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें

जम्मू यात्री भवन पंचांग

(जम्मू/हरिद्वार)

दिसंबर 2026

मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), डाक बंगले के सामने, कनक मंडी, जम्मू- 180001, दूरभाष: 0191-2574881, (प्रबन्धक) 09906397638, (हेल्पलाईन) 07051122990
हरिद्वार कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), ऋषिकेश रोड भूपतवाला, हरिद्वार- 249410, दूरभाष: 01334-261790, 261527, (प्रबन्धक) 09557222330, (हेल्पलाईन) 09897128391
Website: www.jammuyatribhawan.in Jammu e-mail: jammuyatribhawanho@gmail.com Haridwar e-mail: jammuyatribhawan@gmail.com
निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय : जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर एवं धर्मशाला, बस स्टैंड, बी.सी.रोड , जम्मू- 180001

151 कमरों वाले इस भवन में यात्रियों के ठहरने एवम् शाकाहारी भोजन की उचित व्यवस्था उपलब्ध है।

इसी प्रकार 'जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट' के ट्रस्टियों की संकल्पित योजनानुसार भारत के चार धामों - श्री बदरीनाथ जी धाम, श्री द्वारिका जी धाम, श्री जगन्नाथपुरी जी धाम, श्री रामेश्वरम् जी धाम में यात्री भक्तजनों की सुख-सुविधा के लिए 'जम्मू यात्री भवन' निर्माणार्थ ट्रस्ट विनम्र भाव से भक्तजन सहयोगियों से अपेक्षा रखता है।

7 दिसम्बर, 2026 सोमवार मग्घर कृष्ण चतुर्दशी को मासिक शिवरात्रि व्रत है। इस दिन 'देवका' स्नान के लिए ऊधमपुर, पुरमण्डल, उत्तरवैनी आदि तीर्थ स्थानों पर मेले लगे रहते हैं। 20 दिसम्बर, 2026 रविवार को प्रश्नोत्तररूप में श्रीकृष्णार्जुन संवाद स्वरूप विश्वविख्यात दार्शनिक ग्रन्थ ''श्रीमद्भगवद्गीता जयन्ती'' पर्व एवं मोक्षदा एकादशी व्रत/पर्व के रूप में मनाया जाएगा।। इतिशम्।।

दिसम्बर 2026

सूर्य दक्षिणायन, हेमन्त-शिशिर ऋतु

प्रमुख व्रतोत्सव

- दि. 01 श्री काल भैरवाष्टमी, भैरव जयन्ती
- दि. 04 उत्पन्ना एकादशी व्रत
- दि. 06 प्रदोष व्रत
- दि. 07 मासिक शिवरात्रि व्रत, देवक स्नान मेला उधमपुर, मेला पुरमण्डल जम्मु, मेला उत्तरवैनी, श्री बाला जी जयन्ती
- दि. 08 श्रीमवती अमावस पर्व
- दि. 09 मग्घर शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, मग्घर शुक्ल एकम्
- दि. 14 श्री राम विवाहोत्सव, श्री पंचमी, नाग पंचमी
- दि. 15 स्कन्द (गुह) षष्ठी, चम्पा षष्ठी (महाराष्ट्र)
- दि. 16 सूर्य वृश्चिक से धनु राशि में 10:24 मिंट पर 15 मु. पौष संक्रान्ति पु.का. पूरा दिन रहेगा
- दि. 17 श्री दुर्गाष्टमी
- दि. 20 मोक्षदा एकादशी व्रत, श्री गीता जयन्ती पर्व
- दि. 21 सोम प्रदोष व्रत, शिशिर ऋतु (विघ्न) प्रारम्भ,
- दि. 22 शिव चतुर्दशी व्रत
- दि. 23 श्री सत्यनारायण व्रत, श्री अन्नपूर्णा जयन्ती, दत्तात्रेय जयन्ती एवं त्रिपुर भैरव जयन्ती, मग्घर पूर्णिमा को 10:48 मिंट बाद स्नान-दानादि करें, मग्घर पूर्णिमा का व्रत..
- दि. 24 पौष कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
- दि. 25 तुलसी पूजन महोत्सव, श्री अटल बिहारी वाजपेयी जयंती
- दि. 26 श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:12 मिंट पर
- दि. 30 पौष कृ. सप्तमी अष्टका श्राद्ध (अपराह्न व्यापिनी)
- दि. 31 रुक्मिणी अष्टमी

भद्रा काल

दि. 03 10:59 से 23:04 मिंट तक	दि. 13 16:48 मिंट तक	दि. 23 10:48 से 20:53 मिंट तक
दि. 06 26:23 मिंट से	दि. 16 22:46 मिंट से	दि. 26 09:47 से 20:06 मिंट तक
दि. 07 15:18 मिंट तक	दि. 17 11:07 मिंट तक	दि. 29 13:26 से 25:02 मिंट तक
दि. 12 27:28 मिंट से	दि. 20 09:13 से 20:15 मिंट तक	

पंचक

दिनांक 14 सोमवार को 22:36 मिंट से प्रारम्भ
दिनांक 19 शनिवार को 15:58 मिंट पर समाप्त

विक्रमी संवत् 2083 मग्घर प्रविष्टा 16 एवं मग्घर कृष्ण अष्टमी मंगलवार से पौष प्रविष्टा 16 एवं पौष कृष्ण अष्टमी गुरुवार तक

रविवार SUN	सोमवार MON	मंगलवार TUE	बुधवार WED	गुरुवार THU	शुक्रवार FRI	शनिवार SAT
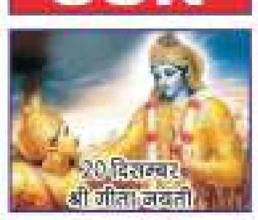 20 दिसम्बर श्री गीता जयंती	23 दिसम्बर अन्नपूर्णा जयंती	1 मग्घर प्र.16 मग्घर कृष्ण अष्टमी	2 मग्घर प्र.17 मग्घर कृष्ण नवमी	3 मग्घर प्र.18 मग्घर कृष्ण दशमी	4 मग्घर प्र.19 मग्घर कृष्ण एकादशी	5 मग्घर प्र.20 मग्घर कृष्ण द्वादशी
6 मग्घर प्र.21 मग्घर कृष्ण त्रयोदशी	7 मग्घर प्र.22 मग्घर कृष्ण चतुर्दशी	8 मग्घर प्र.23 मग्घर कृष्ण अमावस	9 मग्घर प्र.24 मग्घर शुक्ल एकम्	10 मग्घर प्र.25 मग्घर शुक्ल एकम्	11 मग्घर प्र.26 मग्घर शुक्ल द्वितीया	12 मग्घर प्र.27 मग्घर शुक्ल तृतीया
13 मग्घर प्र.28 मग्घर शुक्ल चतुर्थी	14 मग्घर प्र.29 मग्घर शुक्ल पंचमी	15 मग्घर प्र.30 मग्घर शुक्ल षष्ठी	16 पौष संक्रान्ति प्र.01 मग्घर शुक्ल सप्तमी	17 पौष प्र.02 मग्घर शु. दुर्गा अष्टमी	18 पौष प्र.03 मग्घर शुक्ल नवमी	19 पौष प्र.04 मग्घर शुक्ल दशमी
20 पौष प्र.05 मग्घर शुक्ल एकादशी	21 पौष प्र.06 मग्घर शुक्ल द्वादशी	22 पौष प्र.07 मग्घर शुक्ल त्रयोदशी	23 पौष प्र.08 मग्घर शुक्ल चतुर्दशी पूर्णिमा तिथि का क्षय	24 पौष प्र.09 पौष कृष्ण एकम्	25 पौष प्र.10 पौष कृष्ण द्वितीया	26 पौष प्र.11 पौष कृष्ण तृतीया
27 पौष प्र.12 पौष कृष्ण चतुर्थी	28 पौष प्र.13 पौष कृष्ण पंचमी	29 पौष प्र.14 पौष कृष्ण षष्ठी	30 पौष प्र.15 पौष कृष्ण सप्तमी	31 पौष प्र.16 पौष कृष्ण अष्टमी	01 दिसम्बर श्री भैरव जयन्ती	14 दिसम्बर श्री राम विवाहोत्सव

पंचांग सम्बन्धी अधिक जानकारी के लिए 'श्री गंगा संग्रह पत्रिका' देखें